श्रावण कृष्ण पक्ष -13, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 43 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 अगस्त 2024 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

तवा डैम

भारी बरसात से भदभदा समेत 6 बांधों के गेट खुले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश पर मानसूनी बादलों की घेराबंदी लगातार सख्त होती जा रही है। कल से हो रही बरसात ने चलते भोपाल का बड़ा तालाब छलकने को है, एहतियाती भदभदा डैम के दो गेट पहली बार खोले गये हैं। बड़ा तालाब का पानी का लेवल 1666 फीट को लांघकर अपने अधिकतम 1666.80 फीट पर तेजी से पहुंच रहा है। आज सुबह महापौर मालती राय ने गेट खोले। वहीं मप्र में आज सुबह 6 बांधों के गेट खोल दिए गए। भोपाल में कोलार डैम के 4, कलियासोत के 3, भदभदा का एक, नर्मदापुरम में तवा डैम के 5, अशोकनगर में राजघाट के 8 और जबलपुर में बरगी के 7 गेट खोले गये हैं। इनसे निकल रहा पानी नदियों के जलस्तर में भी इजाफा करेगा। आज भी 6 जिलों भारी से भारी बारिश का रेड अलर्ट है। मौसम विभाग ने 30 जिलों में जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल और रायसेन के कुछ इलाकों में जलभराव की स्थिति है। तेज बारिश के चलते सीहोर कलेक्टर ने सभी स्कूल और आंगनवाड़ियों की छुट्टी घोषित कर दी है। मध्यप्रदेश में अब तक 55 प्रतिशत यानी 19.7 इंच बारिश हो चुकी है। जून और जुलाई में कोटे से ज्यादा पानी गिरा है। अगस्त के पहले ही दिन प्रदेश के 23 जिलों में बारिश हुई। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से सिस्टम स्ट्रॉन्ग है। यह सिस्टम 5 अगस्त तक पूरे प्रदेश को तरबतर करेगा।

भदभदा को निहारने पहुंचे लोग: भदभदा के गेट खुलने की वजह से आज सुबह से लोग इसके किनारे पर जमा हो गये और भीगते हुए भदभदा से निकलने वाले पानी को निहारते रहे।

राजधानी में अफरातफरी

भोपाल में कल रात से जारी तेज बरसात के चलते कई इलाकों में पानी भर गया। कोलार में जेके हॉस्पिटल रोड पर भी पानी भरा है, अयोध्या बायपास, विदिशा रोड, होशंबाद रोड, कटारा हिल्स समेत कई इलाकों में सड़कें लबालब हैं।

सुप्रीम फैसला: हजारीबाग-पटना छोड़ बाकी जगहों को *क्लीनचिट*

नीट सिस्टमैटिक फैल्योर नहीं, एनटीए लापरवाही से बचे, दोबारा परीक्षा की मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी।

नीट पेपर लीक के बहुचर्चित मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम फैसला सुना दिया और कहा 'सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि यह एक सिस्टमैटिक फेलियर नहीं हैं, पेपर लीक का असर हजारीबाग और पटना तक ही सीमित है।' कोर्ट ने कहा कि हमने ढांचागत खामियों की ओर ध्यान दिया है, एग्जाम देने वाले कैंडिडेट की पहचान सुनिश्चित करना, पेपर लीक को रोकने के लिए स्टोरेज के लिए एसओपी तैयार करना सरकार और एनटीए की जिम्मेदारी है। अगर किसी की शिकायत का निवारण सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नहीं हुआ है तो वो हाईकोर्ट जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि पेपर लीक व्यापक स्तर पर नहीं हुआ है मगर एनटीए को आगे के लिए ध्यान रखना चाहिए। और इस तरह की लापरवाही से बचना चाहिए।

कोर्ट ने नीट की दोबारा परीक्षा की मांग खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एनटीए को परीक्षा कराने के तौर-तरीके बदलने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी प्रश्न पत्र बनाने से लेकर परीक्षा खत्म हो जाने तक कठोर जांच सुनिश्चित करे। प्रश्न पत्रों के संचालन, आदि की जांच के लिए एक एसओपी बनाई जाए. पेपर को ट्रांसपोर्ट कराने के लिए खुले ई-रिक्शा के बजाय रियल टाइम लॉक वाले बंद वाहनों का उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा प्राइवेसी लॉ को भी ध्यान में रखा जाए ताकि अगर कोई गड़बड़ी हो तो उसे पकड़ा जा सके। इलेक्ट्रॉनिक फिंगरप्रिंट्स की रिकॉर्डिंग, साइबर सुरक्षा की व्यवस्था रखें ताकि डेटा को सेक्योर किया जा सके।

सीबीआई की दबिश, गिरफ्तार किए कई आरोपी

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई और ईओयू ने जांच की थी। इस जांच के दौरान कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और रिपोर्ट में सामने आया कि झारखंड के हजारीबाग और पटना से पेपर लीक हुआ है। आठ आरोपियों को नामजद किया गया था। सीबीआई ने सबसे पहले पटना में तीन ठिकानों पर दबिश दी थी। पटना के एक प्ले स्कूल में संजीव मुखिया ने स्टूडेंट्स को ठहराया था. आरोप है कि यहीं 35 छात्रों को बैठाकर प्रश्न पत्र के उत्तर रटवाए गए थे।

लैंडस्लाइड त्रासदी

मलबे में 4 जिंदा निकले, हिमाचल में बादल फटने के बाद आया भूकंप

वायनाड/शिमला, एजेंसी।

केरल के वायनाड में चार दिन पहले लैंडस्लाइड की त्रासदी बढती जा रही है। इस हादसे अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है. हालांकि, रेस्क्यू में जुटे बचावकर्मियों को अब तक 195 शव ही मिले हैं। बाकी, लोगों की मौत की पुष्टि उनके बॉडी पार्ट्स से की गई है। यानी 105 लोगों के शव का कोई ना कोई हिस्सा बरामद हुआ है, जिससे उनकी मौत कंफर्म हुई है। मगर मलबे से लोगों के जिंदा निकलने का क्रम भी जारी है। वायनाड में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही भारतीय सेना को आज मलबे से 4 लोग जिंदा मिले हैं. इनमें दो महिलाएं और दो पुरुष हैं। उधर भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश में अब भूकंप के झटके लगे हैं। लाहौल स्पीति में भूकंप झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 की रही. हालांकि इसमें किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। वहीं बादल फटने के साथ मौत का सैलाब आया है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा दो दिन के लिए रोक दी गई है।

राहुल का दावा-मेरे खिलाफ ईडी छापेमारी की प्लानिंग हो रही

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनके खिलाफ एनफोर्समेंट डायरेक्टरोट यानि ईडी रेड की योजना बनाई जा रही है। राहुल ने बीती रात करीब दो बजे सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में यह दावा किया। उन्होंने लिखा- टू-इन-1 को संसद में मेरा चक्रव्यूह भाषण पसंद नहीं आया। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया है कि मेरे खिलाफ रेड की योजना बनाई जा रही है। मैं ईडी अधिकारियों का बांहें फैलाकर इंतजार कर रहा हूं, चाय और बिस्किट मेरी तरफ से। उल्लेखनीय है कि राहुल ने 29 जुलाई को संसद सत्र के दौरान बजट भाषण दिया था। इसी दौरान उन्होंने बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की। उन्होंने कहा कि छह लोगों का एक ग्रुप पूरे देश को चक्रव्यूह में फंसा रहा है। राहुल बोले थे - इंडिया ब्लॉक ये चक्रव्यूह तोड़ेगा राहुल ने कहा- केंद्र सरकार ने जो चक्रव्यूह रचा है, उससे करोड़ों लोगों को नुकसान हो रहा है।

आज फिर मनु व लक्ष्य से उम्मीदें

पेरिस ओलंपिक

पेरिस, एजेंसी।

पेरिस ओलंपिक में आज भारतीय खिलाड़ी निशानेबाजी और बैडमिंटन सहित एथलेटिक्स, तीरंदाजी, नौकायन, गोल्फ, जूडो और नौकायन मुकाबलों में चुनौती पेश करेंगे। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल निशानेबाजी प्रतियोगिता में आज से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। भारत की उम्मीद पेरिस ओलंपिक में दो बार की कांस्य पदक विजेता मनु से है। रैपिड राउंड दोपहर 3.30 बजे खेले जाएंगे। वहीं, फाइनल शनिवार को होंगे। आज भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन पर भी सभी की निगाहें होंगी। लक्ष्य सेन शाम 6.30 बजे पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन से भिड़ेंगे। *पेज 7 भी देखें।*

मेट्रो एंकर

पिछली बार सिर्फ दो करोड़ कमाए थे तो लोगों ने दिए थे ताने....

जोमैटो ने चौंकाया, साढ़े बारह सौ फीसद बढ़ा मुनाफा!

नई दिल्ली, एजेंसी।

फूड डिलिवरी के कारोबार से जुड़ी कंपनी जोमेटो ने रिकार्ड तोड मुनाफा दर्ज कर व्यापर जगत को चौंकया है। आज आलम यह कि जब बाजार सुस्त है और गिरावट का दौर है तब भी कंपनी के शेयर आसमान पर हैं। जबकि ठीक एक साल पहले जब पहली बार घाटे से उबरकर यह कंपनी मुनाफे में आई थी हालांकि तब कंपनी को मुनाफा सिर्फ 2 करोड़ रुपये का हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह के मीम्स वायरल होने लगे थे। जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल को कुछ यूजर्स ने तो यह तक सलाह दे दी थी कि इतने तो मेरे से ले लिए होते। हालांकि आज कंपनी की किस्मत पलट चुकी है और जोमैटो ने रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा दर्ज किया है। जोमैटो ने वित्त वर्ष 2025 के जून तिमाही नतीजे कल जारी किये हैं। जिसके तहत कंपनी को रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा हुआ है. कंपनी ने एक्सचेंज में बताया कि मौजूदा कारोबारी साल की पहली तिमाही में उनका मुनाफा 12550 प्रतिशत तक बढ़ा है. कंपनी का मुनाफा 2 करोड़ रुपये से बढ़कर 253 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी की कंसोलिडेटेड कमाई 2416 करोड़ रुपये से बढ़कर 4206 करोड़ रुपये सालाना हो गई है।

इस बीच, जोमैटो के शेयरों में तूफानी तेजी देखी जा रही है। रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा होने के कारण जोमैटो के शेयर आज शुक्रवार को मार्केट में गिरावट के बीच भी 12 प्रतिशत चढ़कर 262 रुपये के पार पहुंच गया। पिछले एक साल में इसने 212 प्रतिशत का रिटर्न दिया है. कंपनी का EBITDA सालाना आधार पर शानदार मुनाफा हुआ है। पिछले साल की इस तिमाही में 48 करोड़ के घाटे के मुकाबले 177 करोड़ रुपये हो चुका है।

फूड डिलेवरी की कमाई, 113 नए स्टोर खोले

कपनी की फूड डिलिवरी कमाई 186 करोड़ से बढ़कर 321 करोड़ रुपये हुई है। कॉमर्स की कमाई तिमाही दर तिमाही के आधार पर 105 करोड़ घाटे के मुकाबले 43 करोड़ रुपये हो गई है सालाना आधार पर जोमैटो का रेवेन्यू करीब 74 प्रतिशत बढ़ा है और 4,206 रुपये हो चुका है, जो पिछले वित्त वर्ष के दौरान 1,416 करोड़ रुपये था। जोमैटो ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू 53 प्रतिशत बढ़कर 15,455 करोड़ रुपये हो चुका है। कंपनी ने एक साल में 113 स्टोर जोड़े हैं।

राजधानी में कल रात से लगातार हो रही बारिश

दो-तीन दिन की सुस्ती के बाद राजधानी में मानसून की सक्रियता एक बार फिर बढ़ गई है।

हमीदिया के बाद गैस राहत अस्पताल की फाल्स सीलिंग गिरी

बारिश में सरकारी भवनों की छतों छज्जों पर मंडरा रहा है खतरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल में हाल की घटना की तरह अब इंदिरा गांधी गैस राहत अस्पताल की ओपीडी वार्ड की फाल सीलिंग गिरने का मामला सामने आया है। हालांकि उस समय वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी घटना टल गई है। यह वही कमरा है जहां पर पर्चा बनवाने के बाद मरीज सबसे पहले पहुंचते हैं। हमीदिया अस्पताल में तीन बार यह घटना हो चुकी है। जबकि जेपी अस्पताल में भी छज्जा गिर चुका है। उधर कुछ सरकारी स्कूलों की इमारतें भी बारिश के चलते बदहाली की कहानी कह रही हैं। इनमें सबसे पुराने माने जाने वाले जहांगिरिया स्कूल की पहली मंजिल का छज्जा तो काफी पहले गिर चुका है।

इधर गैस राहत अस्पताल अधीक्षक डा. संजय गुप्ता का कहना है कि शाम चार बजे ओपीडी वार्ड में फाल्स सीलिंग भरभराकर गिरी। लेकिन उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था लिहाजा जनहानि नहीं हुई। डा. गुप्ता ने कहा कि सीलिंग के मेंटेनेंस के लिए विभाग को पत्र लिखा गया है। इससे पहले भी अस्पताल में फाल्स सीलिंग संबंधी की घटनाएं हुई हैं। अस्पताल की बिल्डिंग पुरानी होने के कारण वर्षा में फाल सीलिंग गिरने की घटना हो रही है। अस्पताल की ओपीडी में रोजाना लगभग चार सौ मरीज आते हैं। दूसरी तरफ लगातार वर्षा होने के कारण अस्पताल परसिर में पानी भर गया।

स्कूल भी जर्जर

वहीं शहर के पुराने स्कूलों में शुमार जहांगिरिया में पहली मंजिल का छज्जा कई महीने पहले गिर चुका है इसका मलबा अभी बरकरार है और नीचे कुछ कक्षायें लग रही हैं। भवन में जगह - जगह प्लास्टर गिर रहा है। करीब पांच दिन पहले स्टाफ रूम में छत का एक बड़ा टुकड़ा गिरने की बात कही जा रही है। स्कूल प्रबंधन की तरफ से मरम्मत आदि के लिये जिम्मेदार एजेंसी को सूचना दी जाती रही है। स्कूल के पीछे की दीवार पर लगे दो बिजली ट्रांसफार्मर भी लगे हैं।

शिक्षा का स्तर आगे ले जाने पर भी मंथन होना चाहिए: सूर्यवंशी

ज्ञान विज्ञान भवन के सभागृह में मनाया गया विवि का 54वां स्थापना दिवस समारोह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारत के छात्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। वह इतनी कुशाग्र बुद्धि के कि उन्होंने अमेरिका में भी जाकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इसकी नीव हमारे शैक्षणिक संस्थानों में ही तैयार होती है। हमारे शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा का जो स्तर हो उसमें सकारात्मक परिवर्तन करते हुए इसे आगे ले जाने पर भी मंथन होना चाहिए। यह बात निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कही।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का 54वां स्थापना दिवस गुरूवार को ज्ञान विज्ञान भवन के सभागृह में समारोह पूर्वक मनाया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी शामिल हुए।नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित अन्य अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर प मुख्य अतिथि किशन सूर्यवंशी द्वारा विश्वविद्यालय के 162 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय में 15, 25 एवम 35 वर्ष सेवाकाल पूर्ण कर चुके शिक्षकों, अधिकारिओं और कर्मचारियों का सम्मान एवम 20 वर्ष सेवाकाल पूर्ण कर चुके स्थाईकर्मी कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया।

मिल कर आगे बढ़ाएंगे

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरू एस. के. जैनकी अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बीयू रजिस्ट्रार एस.आई. मंसूरी, प्रसिद्ध कवि सुमित ओरछा, विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरदेव सिंह, महासचिव धीरेन्द्र सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।अध्यक्षीय उद्धबोधन देते हुए कुलगुरु प्रो. एस.के जैन ने कहा कि हम ये संकल्प लेते हैं कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को एक साथ मिल कर आगे बढ़ाएंगे।

क्वॉलिटी मानकों की बैठक आयोजित

जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं का प्रमाणीकरण होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड एवं कायाकल्प के संबंध में उन्मुखीकरण बैठक का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में किया गया। बैठक में भोपाल के मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक, पॉलीक्लिनिक , सिविल डिस्पेंसरी एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी सम्मिलित हुए । उन्मुखीकरण बैठक में कंप्रिहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर, नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड, कायाकल्प, इन्फेक्शन कंट्रोल क्वालिटी मैनेजमेंट के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही जन आरोग्य समिति एवं महिला आरोग्य समितियों के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में वेलनेस गतिविधियां किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में निर्धारित क्वालिटी मानकों का पालन किया जाना जरूरी है , जिससे हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सके। भोपाल की स्वास्थ्य संस्थाओं को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप विकसित किया गया है । शीघ्र ही जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं का प्रमाणीकरण करवाया जायेगा। भारत सरकार के निर्देशानुसार क्वालिटी इंश्योरेंस कार्यक्रम का क्रियान्वयन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के निर्धारित मानकों के तहत किया जा रहा है। उन्मुखीकरण बैठक में विषय विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा अधिकारियों को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के उपसंचालक क्वालिटी एश्योरेंस डॉ प्रमोद गोयल, डॉ अमित मालाकार, प्रतीक मोदी, फरीद उद्दीन सैयद , अमृतेश मिश्रा, सिद्धार्थ बनर्जी सम्मिलित हुए।

वन विहार का शैक्षणिक भ्रमण किया छात्राओं ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत महाविद्यालय के नेचर क्लब ने नई छात्राओं को वन विहार का शैक्षणिक भ्रमण कराया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण छात्राओं के लिए आवश्यक है जो उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करने के साथ-साथ विषयों के प्रति रुचि को और बढ़ाते हैं। जिससे उनकी शैक्षणिक समझ व्यापक होती है। छात्राओं ने स्नेक पार्क, बटरफ्लाई जोन, वन- वीथीका, बाघ, भालू, हिरन, चितल, सांभर, नील गाय, मगर मच्छ, बंदर के साथ अन्य जीवों को पास से जानने का अवसर प्राप्त किया। भ्रमण में महाविद्यालय संकाय सदस्य, डॉ.शांता बेलानी, समन्वयक एवं डॉ.माधवी गौर, सह-समन्वयक नेचर क्लबके साथ लगभग 60 छात्राओं ने भाग लिया।

एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन का मांगों को लेकर धरना

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

एम.ई.एस बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (रजि.) नई दिल्ली मुख्यालय के निर्देश पर बिल्डर्स ने चीफ इंजीयनियर भोपाल जोन कार्यालय के सामने धरना दिया। साथ ही मीडिया के सामने अपनी बात रखी। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अत्यन्त कम दरों पर भरी जा रहीं निविदाओं पर रोक लगाने, निष्पादन सुरक्षा की गारंटी की समय-सीमा कम करने एवं जीएसटी का भुगतान अलग से करने की मांग की। भोपाल ब्रांच के चेयरमैन धर्मेन्द्र वासंदानी, मानद सचिव सुनील सोनी, मीडिया प्रभारी पीयूष मिश्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि डिपार्टमेंट और सरकार हमारी मांगों को बिना सुने और समझे अनसुना करने की कोशिश में है, इसलिए हमने धरना दिया है, क्योंकि हम सभी अपने किसी भी कृत्य से भारतीय सेना के लिए किए जा रहे कार्यों की गति को अवरूद्ध करने के पक्षधर नहीं है। धरने में ब्रांच के वरिष्ठ सदस्यों राजन खुल्लर , सुभाष भावनानी, प्रदीप शुक्ला, वी के मांडिल्य, प्रशांत मजूमदार, अनिल कुमार साहू, अजय जैन, तपेश उपाध्याय ,मो. हफीज खान, राकेश सराफ, अनिल उपाध्याय , कपिल आसुदानी आदि सदस्यों ने धरने में हिस्सा लिया।

मेट्रो एंकर

केन्द्रीय नगरीय विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर को आग्रह पत्र सौंपा

साबरमती की तर्ज पर विकसित किया जाए कलियासोत: शर्मा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भोपाल की हुजूर विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों को भी शहरों की तर्ज पर विकसित कराते हुए विकास पुरुष की पहचान बनाने वाले विधायक रामेश्वर शर्मा ने क्षेत्रीय विकास को लेकर एक नई मुहिम छेड़ दी है। अपने दिल्ली प्रवास के दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा ने केन्द्रीय नगरीय विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर कोलार की कलियासोत नदी को बारहमासी बनाने के साथ-साथ साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर विकसित करने एवं उसके घाटों को विकसित कर पर्यटन केन्द्र बनाने की मांग को लेकर निवेदन पत्र सौंपा है। इस निवेदन पत्र में उन्होंने भोपाल की जीवन रेखा कहीं जाने वाली कलियासोत नदी के सालभर सूखे रहने की चिंता तथा उससे होने वाली नागरिक असुविधा को व्यक्त किया, साथ ही उसे बारहमासी बनाने के उपाय एवं उससे होने वाले लाभ को भी विधायक शर्मा ने मांग पत्र में उल्लेखित किया। ज्ञात हो कि कलियासोत नदी कोलार से होते हुए बेतवा नदी में मिलती है। जो कि वर्तमान में कलियासोत डेम पर पूर्णरूपेण निर्भर करती है। डेम के गेट खुलने के बाद ही इस नदी में पानी आता है बाकि वर्ष भर यह सूखी रहती है।

यह आग्रह किया

- कलियासोत नदी को बारहमासी बनाया जाए, इसके लिए तकनीकी आधार पर सुनिश्चित स्थानों पर स्टॉप डेम का निर्माण कराया जाए।
- साबरमती नदी पर रिवर फ्रंट की तर्ज पर कलियासोत नदी को बारहमासी नदी बनाते हुए, साबरमती रिवर फ्रंट की तरह विकसित किया जाए।
- कलियासोत नदी पर घाटों का निर्माण हो जिससे कि सनातनी परम्पराओं का निर्वहन किया जा सके। यहां पाथ-वे, आकर्षक पार्क, वाटर स्पोर्ट्स गतिविधि, फूड कोर्ट का निर्माण कराया जाए।

शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री को बताया

कलियासोत नदी भोपाल की जीवन रेखा है। उसे बचाने का दायित्व हम सबका है। और केवल बचाना नहीं है, उसका संवर्धन भी करना है। इसको लेकर कल माननीय केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर उनको कलियासोत नदी की यथास्थिति से अवगत कराया। साथ ही उनकी विकास योजना को लेकर भी सुझाव प्रस्तुत किए। उन्हें गुजरात की साबरमति रिवर फ्रंट की कार्य योजना की भी जानकारी दी। जिसके मूल स्वरूप एवं पर्यावरण के अनुरूप सीईपीटी अहमदाबाद द्वारा विकसित किया गया था। कलियासोत के सौंदर्यीकरण हेतु भी इसी तरह के अनुभवी संस्थान के द्वारा कार्य योजना बनवाई जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि - केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री कलियासोत नदी के संरक्षण की दिशा में साबरमती नदी की तर्ज पर विकसित करने हेतु सार्थक निर्देश सम्बन्धितों को दिए । जिसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया ।

रोटरी क्लब ईस्ट की स्वर्ण जयंती पर 12 विद्यालयों की खेलकूद स्पर्धा

भोपाल। रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल और एजुकेशन एज द्वारा स्वर्ण जयंती पर प्रथम खेलकूद स्पर्धा टी टी नगर स्टेडियम में 1 अगस्त से 2 अगस्त आयोजित की जा रही है जिसने भोपाल के 12 प्रतिष्ठित स्कूल भाग ले रहे है स्पर्धा का उद्धघाटन रोटरी क्लब के अध्यक्ष मनोज झा ने किया। स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर अल्पना मिश्रा ने बताया की इसमें पांचवी कक्षा से बारहवीं तक खिलाड़ी भाग ले रहे है और यह स्पोर्ट्स इवेंट्स प्रतिवर्ष होगा । इसमें इस वर्ष माउंट फोर्ट, कार्मेल कॉन्वेंट, बाल भारती स्कूल , एम एस बी एजुकेशन, संस्कार वैली रेडरोज, हेमा ,जी वी एन, आइवी ग्लोबल, आइकॉनिक स्कूल, श्री भवन भारती के एक हजार से अधिक छात्र छात्राएं भाग ले रहे हैं 2 अगस्त को अन्तिम मुकाबले और पुरस्कार वितरण रोटरी मंडलाध्यक्ष अनिस मलिक द्वारा किए जाएंग।वर्षा के कारण अधूरे इवेंट आज पूरे किए जाएंगे।

राखी के पहले हो सकता है पहली किस्त का भुगतान

कर्मचारियों के महंगाई भत्ते को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को रक्षाबंधन पर ढाई-ढाई सौ रुपये का अतिरिक्त भुगतान करने के बाद अब सरकार पर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते का बकाया देना का दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि करीब दस लाख कर्मचारियों के लिए रक्षाबंधन पर महंगाई भत्ते के एरियर की राशि का भुगतान होने के आसार हैं। इसके लिए वित्त विभाग में सभी विभागों दूसरी किस्त की राशि भी उपलब्ध करा दी गई है। गौरतलब है कि प्रदेश में कर्मचारियों को फिलहाल 46 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। इससे पहले 42 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा था। कर्मचारियों का

चार प्रतिशत महंगाई भत्ता एक जुलाई 2023 से बढ़ाया गया था, लेकिन इसका भुगतान एक अप्रैल 2024 से किया गया। हालांकि कर्मचारियों ने अगस्त की पहली तारीख को एरियर राशि नहीं मिलने पर नाराजगी भी जताई थी। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने कहा था कि प्रथम किस्त का भुगतान कोषालय की साइट न खुलने के वजह से नहीं हो पाया है यह एक गंभीर लापरवाही है। इसकी जांच होना चाहिए। पहले भी कई मौके पर ऐसा हुआ है।

तीन किस्तों में मिलेगा

जुलाई 2023 से फरवरी 2024 की महंगाई भत्ते का भुगतान तीन समान किस्तों में करने का निर्णय लिया गया था। ये तीनों किस्तें जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीने में देना तय हुआ था। सरकार ने आम चुनाव से पहले इसी साल मार्च में कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4 प्रतिशत बढ़ाने के आदेश जारी किए थे। महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोतरी से कर्मचारियों को मासिक वेतन में 900 से लेकर 6500 रुपये तक लाभ हुआ।

आईएएस के उपन्यास ने मचाया धमाल, कई अंश विवादों के घेरे में

पहले भी पुस्तकों से सुर्खियों और विवादों में आ चुके हैं नियाज खान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र कैडर के आईएएस नियाज खान एक बार फिर सुर्खियों में है। वजह, उनका उपन्यास वॉर अगेंस्ट कलियुग है, जो बाजार में आ चुका है। इंटरनेट पर भी बिक्री शुरू हो गई है।

असल में आईएएस नियाज खान के उपन्यास में पात्रों के जरिए ऐसे राष्ट्र की कल्पना की है जहां लोकतंत्र की बजाए धर्मतंत्र होगा। विकास जैसे शब्द प्रतिबंधित हो जाएंगे। यह उपन्यास ऐसे समय में आया है जब केंद्र की भाजपा एनडीए सरकार से लेकर विपक्ष के नेता संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को लेकर आमने–सामने हैं। विपक्ष लोकतंत्र को खत्म करने जैसे आरोप लगा रहा है तो सत्तापक्ष लोकतंत्र की रक्षा की बात मजबूती से कर रहा है। उधर, केंद्र सरकार विकास के सपने देख चुकी है और इसके लिए लक्ष्य तय करके रोडमैप के आधार पर आगे बढ़ रही है। ऐसे में विकास जैसे शब्द का जिक्र उपन्यास में करते हुए लिखा गया है यह शब्द प्रतिबंधित हो जाएगा। चूंकि उपन्यास किसी और का होता तो कोई बात नहीं थी लेकिन यह आईएएस जैसे अफसर ने लिखा है इसलिए भी ज्यादा चर्चा हो रही है।

उल्लेखनीय है कि आईएएस नियाज खान अब तक 8 से अधिक पुस्तकें लिख चुके हैं। सेवाओं के

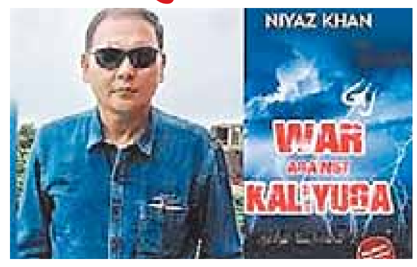

दौरान भी वह सुर्खियों में रहे हैं। उनकी ब्राह्मण द ग्रेट पुस्तक सुर्खियों में थी। वॉर अगेंस्ट कलियुग को उक्त इसका पार्ट-2 कहा जा रहा है।

उपन्यास में की गई कल्पनाओं में देश में सनातनपति की जरूरत बताकर सनातन राष्ट्र का समर्थन किया है। सनातन राष्ट्र में ब्राह्मण शिक्षा और पूजा पाठ का महत्व बताया है। यह भी कहा कि ये राष्ट्र के मार्गदर्शक होंगे और सनातन पति कहलाएंगे और प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति के सलाहकार होंगे। संसद के कानून भी सनातनपतियों से विचार-विमर्श कर लाए जाएंगे। पेड़ काटने पर जेल की सजा जैसी कई बातें लिखी है। यह भी बताया कि शंकराचार्य अपने इलाके के जंगल के प्रमुख होंगे। क्रिकेट की जगह कबड्डी और कुश्ती प्रमुख खेल होंगे, इन्हें बढ़ावा दिया जाएगा।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के आवेदन शुरू, 16 सितंबर अंतिम तिथि

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2025 के आवेदन ऑनलाईन शुरू हो गए हैं। वह छात्र-छात्राएँ आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय / अशासकीय / ई.जी.एस. के कक्षा पाँचवीं में अध्ययनरत् हैं, तथा जिनका जन्म 01.05.2013 से 31.07.2015 के बीच हुआ हो। आवेदक ने कक्षा तीसरी, चौथी, पाँचवीं में लगातार प्रत्येक पूर्ण सत्र में अध्ययन किया हो तथा एक ही कक्षा में पुनरावृत्ति न की हो। विद्यालय में छात्र/छात्राओं को शिक्षा, आवास, भोजन, यूनिफार्म, पाठ्य-पुस्तकें एवं दैनिक उपयोग की वस्तुऐं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त नवीन शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत छात्र / छात्राओं को कम्प्युटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास

की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। चयन परीक्षा दिनांक 18 जनवरी 2025 दिन शनिवार को आयोजित होगी। चयन परीक्षा के आवेदन केवल ऑनलाईन भरे जाएँगें, केवल बेबसाइट 222.ठ्ठ्1श्स्त्र्ड्ड4ड्ड.द्ग्1.द्ब्ठ्ठ से आवेदन फार्म भरे जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, रातीबड़, जिला भोपाल के कार्यालय से सम्पर्क किये जा सकते हैं। आवेदन ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि 16 सितंबर 2024 है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार सुबह खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की मंत्रालय में समीक्षा की।

सीएम राइज स्कूल बरखेड़ी में हुए छात्र चुनाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के बरखेड़ी स्थित सीएम राइज हायर सेकेंडरी स्कूल में गुरूवार को छात्र परिषद के चुनाव हुए। इस चुनाव में चार प्रमुख पदों हेड बॉय, हेड गर्ल, वाइस हेड बॉय,वाइस हेड गर्ल के लिए कुल 20 प्रत्याशी खड़े हुए। कक्षा 9 से 12 की कुल 570 छात्र छात्राओं ने इस चुनाव में अपना मत देकर अपने पसंदीदा प्रत्याशी को अपना मत प्रदान किया।

सीमावर्ती राज्यों से जुड़े मामलों पर दिल्ली में मंथन :राज्यपालों की बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल देशभर के राज्यपालों की कॉन्फ्रेंस में शामिल हो रहे हैं। यह आज दिल्ली में हो रही है। इससे पहले कांन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचे पटेल ने राष्टपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात भी की। विधानसभा चुनाव के पहले राज्यपालों की भूमिका में बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने अंतर्राज्यीय मुद्दों को लेकर हर राज्यपाल को पड़ोसी राज्य के साथ बैठक करने के निर्देश दिए थे। इसके चलते पटेल ने महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ समेत कुछ राज्यों के साथ बैठक भी की जिसमें सीमावर्ती जिलों की समान समस्याओं, बड़ी परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई थी। अब दिल्ली कांफ्रेंस में इन मसलों पर अब तक हुई कार्यवाहियों पर विचार किया जा रहा है। खास बात यह है कि दिल्ली मे जारी दो दिनी कांफ्रेंस के पहले दस राज्यों के राज्यपाल बदले हैं या उनके राज्य बदले गए हैं। ज्ञात हो कि मप्र की सीमा से महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात लगे हैं और इन राज्यों, के व्यापारिक, सड़क, जल, कानून व्यवस्था समेत अन्य राज्य स्तरीय मुद्दे बैठक का विषय हैं।

बीएचईएल के व्यापारियों और दुकानदारों की लंबित समस्याओं का होगा निराकरण

राज्यमंत्री गौर के प्रस्ताव पर केन्द्रीय उद्योग मंत्री कुमारस्वामी का आश्वासन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीएचईएल स्थित 1420 दुकानों की नवीनकरण की कार्यवाही जल्द शुरू होगी। दुकानदारों द्वारा नवीनकरण के संबंध में लांयसेंस फीस निर्धारण और नामांतरण की राशि के दिये गये प्रस्ताव अनुसार कार्यवाही के लिये पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर के प्रस्ताव पर केन्द्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। राज्यमंत्री गौर ने गुरूवार को नई दिल्ली में संसद भवन में केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी से भेंट कर उन्हें बीएचईएल व्यवसाइयों, दुकानदारों एवं ठेका श्रमिकों की समस्याओं से संबंधित मांग पत्र सौपा। राज्यमंत्री गौर ने बीएचईएल में स्थित 1420 दुकानों के नवीनिकरण के संबंध में लायसेंस फीस और नामांतरण राशि के निर्धारण में की गई वृद्धि और दुकानदारों द्वारा दिये गये प्रस्ताव की जानकारी से भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी को अवगत कराया। केन्द्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रस्ताव पर विचार कर निराकरण के लिये कहा। राज्यमंत्री ने बीएचईएल के 15 मार्केट के 1422 व्यापरियों के द्वारा बीएचईएल और व्यापरियों के मध्य अनुबंध के संबंध आ रही समस्या से अवगत

कराया। इस संबंध में भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी ने समस्या के तुरंत निराकरण के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। राज्यमंत्री गौर ने बीएचईएल के ठेका श्रमिकों (वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों) को ठेकेदार द्वारा समय पर वेतन नहीं देने, बिना कारण बताये कार्य से बाहर करने और फिर से कार्य पर लेने के लिये पैसे की मांग करना, ठेकदार द्वारा श्रमिकों को दिये जाने वाले मासिक वेतन में से कमीशन लेने, बोनस की पूरी राशि नहीं देने और श्रमिकों के वेतन से काटी गई इएसआई और पीएफ राशि भी ठेकेदारों द्वारा खाते में कम जमा कराने की समस्या से भारी उद्योग मंत्री श्री कुमारस्वामी को अवगत कराया। केन्द्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने इस संबंध में भी निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

मदरसा बोर्ड : 10वीं 12वीं के आवेदन में 10 अगस्त तक होग सुधार

भोपाल। म.प्र. मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी (उर्दू माध्यम) परीक्षा सत्र 2024 के लिए परीक्षा आवेदन पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन जमा करने की तारीख में बढ़ोत्तरी की गई है। पूर्व में यह तारीख 25 जुलाई 2024 तक निर्धारित की गई थी। उक्त तिथि को बढ़ाकर 10 अगस्त 2024 (बिना विलम्ब शुल्क के) किया गया है। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार 10 अगस्त 2024 तक तथा भरे गए आवेदन पत्र डाक द्वारा कार्यालय मदरसा बोर्ड में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2024 निर्धारित की गई है।

दलबदलू विधायकों की निधि पर पहरा बैठाने कांग्रेस पहुंची विस अध्यक्ष के पास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र की सि यासत में दलबदल से कई एंगल भी उभर रहे हैं। कांग्रेस लगातार दल बदलने वाले अपने विधायकों की सदस्यता समाप्त करने की मांग कर रही है, अब कांग्रेस ने बीना विधायक निर्मला सप्रे और विजयपुर विधायक रामनिवास रावत की विधायक निधि पर दलबदल की तारीख से ही रोक लगाने की मांग की है। कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र भेजा है। इसकी कॉपी सागर और श्योपुर जिलों के कलेक्टर्स को भी भेजी है।

एमपी कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने स्पीकर से मांग करते हुए लिखा है- कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव जीतकर बीना और विजयपुर क्षेत्र के विधायकों ने सार्वजनिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। जो कि दलबदल कानून की वैधानिक परिधि में आती है और विधायक पद के लिए अयोग्यता की परिधि में भी आता है। आप विधि के प्रदेश में सबसे बड़े रक्षक और विधायिका के पालक हैं।

जनप्रतिनिधित्व के क्षेत्र में शुचिता और नैतिकता को संरक्षण देने की आपसे अपेक्षा स्वाभाविक है। गुप्ता ने लिखा है कि ऐसे विधायक जब तक पुनः चुनकर विधायक नहीं बन जाते तब तक भाजपा में प्रवेश की तिथि से उनके विधायक निधि के उपयोग को पूर्ण रोक लगाकर नैतिक मूल्यों को संरक्षण दें।

तीन विधायकों ने बदला है पाला

लोकसभा चुनाव के दौरान सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस की विधायक निर्मला सप्रे ने सुरखी विधानसभा के राहतगढ़ में मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंच पर पहुंचकर विधायक सप्रे ने भाजपा जॉइन कर ली थी। दो महीने बीतने के बाद भी निर्मला ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। विधानसभा सचिवालय ने सप्रे को 10 दिन से जवाब मांगा है। इसी तरह श्योपुर जिले की विजयपुर सीट से रामनिवास रावत ने भाजपा जॉइन की थी। अब 8 जुलाई को रावत ने कैबिनेट मंत्री पद की भी शपथ ली व विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसी तरह अमरवाडा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह ने भी भाजपा का दामन थामा

मेट्रो एंकर पुनर्योजी विकास और समृद्धि के लिये रणनीतियां विषय पर संगोष्ठी

वर्ष 2030 तक जीरो हंगर प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रही मप्र सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हम 'सुपोषित मध्य प्रदेश' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण मध्यप्रदेश को प्रगति-पथ पर ले जाने के लिए हमें विकास विभागों, विषय विशेषज्ञों, संस्थाओं और महिला समूहों को एक साथ आना होगा, तभी समृद्धशाली ग्रामीण मध्यप्रदेश के सपने को साकार किया जा सकता है। हम वर्ष 2030 तक 'जीरो हंगर' या पोषित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह बात महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने मैनिट में ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया द्वारा आयोजित इंडिया रूरल कॉलोक्वी कार्यक्रम में कही। उन्होंने समृद्धशाली ग्रामीण मध्यप्रदेश के निर्माण में पोषण और स्वास्थ्य की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

मंत्री भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला बाल विकास विभाग द्वारा पोषण को जन-आन्दोलन बनांने के लिए समुदाय और समाज को अपने साथ निरंतर जोड़ रहा है। मध्यप्रदेश ने समुदाय को कुपोषण दूर करने से जोड़ने के लिये न केवल पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों को पोषण शिक्षा और प्रबंधन सिखाने का

प्रयास किया जा रहा है बल्कि समुदाय आधारित पोषण अभियान और इससे संबंधित कार्यक्रमों का संचालन भी निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग ने वर्ष 2020 में पोषण नीति का निर्माण कर अपने लिए बड़े और दूरगामी लक्ष्य भी निर्धारित किये हैं, जिसमें हर व्यक्ति, विशेषकर बच्चे, किशोर-किशोरी और महिलाएं बेहतर पोषण और स्वास्थ्य स्थिति प्राप्त कर सकें। मंत्री भूरिया ने कहा कि 'सुपोषित मध्य प्रदेश' की दिशा में राज्य में कई नवाचारों, सामुदायिक कार्यक्रमों और लोगों को जोड़कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की जा रही है। विश्व स्तनपान सप्ताह, महिला सशक्तिकरण के लिए 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान, महिला हेल्पलाइन 181, बच्चों के लिए हेल्पलाइन 1098, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ और इन सबसे बड़कर महिलाओं के आर्थिक उत्थान के लिए लाड़ली बहना के माध्यम से पूरे देश में महिला और बाल विकास ने अलख जगा दी है। प्रदेश में हम इस बार 'पोषण भी और पढ़ाई भी' की नई संकल्ड़पना के साथ कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, जिसमें पड़ाई के साथ-साथ पोषण को भी अहम माना गया है। प्रधानमंत्री जन-मन योजना में हम विशेष आदिवासी क्षेत्रों में आंगनवाड़ी भवनों को बनाकर वहॉ के बच्ड़चों का पोषण स्ड़तर सुधार रहे हैं। प्रदेश में लगभग 500 करोड़ की लागत से आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रदेश के इन्हीं नवाचारो से राष्ट्रीय स्तर के पारिवारिक सर्वेक्षण 4 वर्षों के बीच में मध्य प्रदेश में बच्चों की पोषण स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

संपादकीय

बहस का स्तर, दोनों तरफ से निराशाजनक

संसद में इन दिनों बहस के स्तर या शब्दों के चयन पर बहुत चर्चा है। हालायकि अपने आप में यह बात तसल्ली की हो सकती है कि संसद के मौजूदा मॉनसून सत्र में हंगामा और बॉयकॉट के बजाय मुख्य स्वर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हो रही बहस का है, लेकिन यह बात भी सही है कि जितनी स्वस्थ और सकारात्मक यह बहस हो सकती है वह नहीं हो पा रही। बहस के दौरान भी वे पहलू मुद्दा बन रहे हैं, जो अपेक्षाकृत कम गंभीर हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में जो लंबा भाषण दिया उसकी काफी चर्चा रही। उनसे यह अपेक्षा तो किसी ने नहीं की होगी कि वह बजट में प्रस्तावित प्रावधानों की तारीफ करेंगे, लेकिन जितनी सख्त आलोचना उन्होंने की और जिस तरह से राजनीतिक और गैरराजनीतिक व्यक्तित्वों को आलोचना के दायरे में ले आए, क्या बहुत जरूरी नहीं था। इसी तरह जाति जनगणना एक बड़ा मुद्दा कांग्रेस के लिए है, लेकिन बजट पर भाषण के क्रम में उसे आक्रामक अंदाज में उठाना और हलवा सेरिमनी के जरिए बजट बनाने वाले ऑफिसरों की जाति का सवाल खड़ा करना चुनावी नजरिए से जो भी फायदा-नुकसान पहुंचाए, बजट पर बहस की गुणवत्ता बढ़ाने वाला तो नहीं कहा जा सकता। इस बात को अफसरों की जाति से अलग करके भी रखा जा सकता था। अफसोस की बात यह रही कि सत्ता पक्ष भी दखल देकर बहस को कोई स्वस्थ दिशा नहीं दे सका। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर का अपने भाषण में राहुल गांधी के उठाए जाति जनगणना के मुद्दे पर यह कहना कि जिस नेता की अपनी जाति का पता नहीं वह जाति जनगणना कराने की बात कर रहा है, यह बात बहस के स्तर को ऊपर उठाने के बजाय उसे और नीचे की ओर ले जाने वाला साबित हुआ। इससे पहले सपा सांसद अखिलेश यादव के साथ भी अनुराग ठाकुर की तीखी बहस देखी गई थी। इसके अलावा कल वित्त मंत्री ने भी राहुल गांधी के बजट पर उठाए सवालों का जवाब दिया। वैसे भी ठाकुर पहले भी इस तरह के कई बयान बाहर भी देते रहे हैं। इस बीच विपक्ष की ओर से बजट में राज्यों के साथ कथित तौर पर पक्षपात करने का मसला उठा। जिसका वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूरी गंभीरता से जवाब भी दिया। यह निश्चित रूप से बजट पर संसद में हुई चर्चा के स्वस्थ पहलुओं में शामिल किया जा सकता है। यह बात सही है कि संसदीय लोकतंत्र में संसद में हो रही किसी भी चर्चा को न तो राजनीति से परे माना जा सकता है और न ही यह अपेक्षा की जा सकती है कि उसका कोई चुनावी पहलू नहीं होगा। फिर भी, यह एक तथ्य है कि अभी-अभी देश में आम चुनाव संपन्न हुए हैं और उससे निकले जनादेश को न केवल सत्तारूढ़ पक्ष बल्कि विपक्ष भी सम्मानपूर्वक स्वीकार कर चुका है। ऐसे में उनसे यह उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि कम से कम अभी कुछ दिन चुनावी मजबूरियों से ऊपर उठकर विकास और जनकल्याण बातों को प्राथमिकता दें। महंगाई और बेरोजगारी से परेशान लोगों को यही उम्मीदें हैं कि उनकी समस्याओं पर संसद कुछ ठोक और सकारात्मक करे।

कभी-कभी मौन रह जाना बुरी बात नहीं है।
– जयशंकर प्रसाद

आज का इतिहास

- 1935 मॉस्को के भूमिगत मेट्रो लाइन को लोगों के लिए खोला गया।
- 1937 एनिमेटड कार्टून इलेक्ट्रिक साइन बोर्ड न्यूयॉर्क में लगाया गया।
- 1971 अपोलो-15 अंतरिक्ष यात्रियों ने इलेक्ट्रिक का साढ़े 6 घंटे की यात्रा की।
- 1972 द ट्रिबल्स-फ्री डेरी, एक स्वायत्त स्व-घोषित क्षेत्र हैडेरी, उत्तरी आयरलैंड, ब्रिटिश सेना के संगठन मोटरमैन द्वारा समाप्त किया गया था।
- 1973 बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट पर ष्ठष्ट-9, डेल्टा एयरलाइंस कोहरे में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 89 यात्री मारे गए और एक आश्चर्यजनक रूप से जीवित हो गया। लेकिन अकेला जीवित रहने वाले की 6 महीने बाद मौत हो गई।
- 1975 द ट्रिब्यूट्स-इन बॉटेड अर्धसैनिक हमले में तीन सदस्य लोकप्रिय मियामी शोबैंड और दो उल्स्टर वालंटियर फोर्स के बंदूकधारियों को उत्तरी आयरलैंड के काउंटी डाउन में मार डाला गया।
- 1975 द ट्रबल~ एक बोटेड अर्धसैनिक हमले में, उत्तरी आयरलैंड के काउंटी डाउन में लोकप्रिय मियामी शोबैंड के तीन सदस्य और उल्स्टर वालंटियर फोर्स के बंदूकधारियों को मार गिराया
- 1980पूर्वी कजाकिस्तान, सेमी-पैलेटिस्क में परमाणु परीक्षण किया है, इस परीक्षण ने देश और इसकी प्रगति को बल दिया है।
- 1982 यूगोस्लाविया ने कीमतों पर छह महीने के लिए रोक लगा दी।
- 1982 अमेरिकन यूरोपियन फुटबॉल फेडरेशन (श्वस्नस्न) का गठन किया गया है। वे देश जो महासंघ के सदस्य हैं, वे फ़िनलैंड, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रिया और फ्रांस हैं।
- 1991 अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश और सोवियत राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव ने सामरिक शस्त्र कटौती संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 2000 लोकसभा ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण विधेयक पास किया।

निशाना

बदल रही तस्वीर !

- कृष्णेन्द्र राय

संगठन में इनके लगता ।
आ रही दरार ।।
फिर भी होगा देखना ।
कौन पहनता हार ।।
धीरे धीरे शायद ।
बदल रही तस्वीर ।।
ख़बर रही है उड़ ।
हैं सारे ही वीर ।।
हारते ना हिम्मत हैं ।
ना खुले बस पोल ।।
एक दूसरे को भले ।
रहें घुमाते गोल ।।
शानदार अंदाज़ है ।
पर अंदर कोहराम ।।
रुक रुक कर कभी कभी ।
है आता पैग़ाम ।।

अग्निपथ योजना में सुधार की काफी गुंजाइश

■ मनोज जोशी

पिछले शुक्रवार द्रास में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर अग्निपथ मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य सेना को युवा बनाए रखना हैज्एक ऐसी सेना जो युद्ध के लिए निरंतर चुस्त रहे। उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। उन्होंने इससे भी कड़े शब्द बरते, लेकिन सवाल है कि यह सब कहने के लिए क्या यह अवसर उचित था? आदर्श रूप में, इस पवित्र दिन को मनाने के लिए मंच पर विपक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों को एक साथ होना चाहिए था। परंतु यह अपेक्षा शायद कुछ ज्यादा ही हो गई। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 10 सालों में सेना के स्वरूप में काफी सुधार किया गया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, सैन्य मामलों के लिए अलग विभाग का गठन, सुधरे रूप में सैन्य खरीद नीति, रक्षा उद्योग को स्वदेशी तकनीक विकसित करने की बाध्यता, रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी को अनुमति और इन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास राशि का 25 फीसदी मुहैया करवाना जैसे अनेक उपाय किए गए हैं। लेकिन सेना को लेकर अग्निपथ योजना अपने आप में सबसे अधिक महत्वाकांक्षी है। इस योजना के तहत एक युवा की सेना में भर्ती 17-21 साल के बीच होनी है, उसका सेवाकाल चार साल का होगा और सेवामुक्ति उपरांत एकमुश्त रकम मिलनी है। चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को सेना में आगे 15 साल या अधिक कार्यकाल की पेशकश होगी। लेकिन बाकी बचे 75 फीसदी के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी का विकल्प हो सकता है, जहां भर्ती में उन्हें तरजीह मिलेगी।

इस योजना पर विवाद उस वक्त उठ खड़ा हुआ जब पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवाणे ने विमोचन के लिए लंबित अपनी पुस्तक में कहा कि यह योजना नौसेना और वायुसेना के लिए 'बिन बादलों की बिजली गिरना' बनकर आई और खुद उन्होंने जो प्रारूप सरकार को सौंपा था, वह केवल थल सेना के लिए था और उसमें भी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फौज में आगे बने रहना था, केवल शेष 25 फीसदी को सेवामुक्त करना था। परंतु रक्षा मंत्रालय ने इसको एकदम उलटा कर दिया, यानी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को कार्यमुक्ति और 25 फीसदी को सेना में बनाए रखने वाला प्रावधान बना डाला।

राजनीति की वजह से, आरंभ से ही अग्निपथ योजना को लेकर विवाद होने लगे थे और दोनों पक्षों ने इस पर खेल किया, मुख्य सवाल जो अक्सर किया जाता है: हम अग्निवीरों के लिए और अधिक क्या कर सकते हैं? फिर हमारे पास उस अन्य प्रश्न का भी ठोस उत्तर नहीं है कि अग्निवीर सेना के लिए क्या और कितने उपयोगी होंगे? इस बाबत मुख्य दलील यह दी जाती है कि अग्निपथ योजना से सेना के जवान की औसत

आयु बनिस्बत युवा बनी रहेगी। सरकार की ओर से दिए शपथपत्र में दावा किया गया है कि अफसर पद से नीचे, भारतीय सैनिक की औसत आयु विश्व में सबसे अधिक, 32 साल है, जबकि वैश्विक औसत 26 वर्ष है। लेकिन दशकों से सेना में भर्ती की उम्र सदा 16.5 से 21 वर्ष के बीच रही है। कुल 75 प्रतिशत अग्निवीरों की सेवानिवृत्ति और प्रत्येक भर्ती चक्र में नई उम्र के युवाओं की आमद बनाने से योजनाकारों को उम्मीद है कि इससे फौज की औसत आयु कम हो पाएगी। किंतु जैसा कि पहले कहा, बदले में प्राप्ति क्या होगी? भारतीय सेना में भर्ती की कुछ हकीकतें हैं। देखा गया है कि जो युवा जल्दी भर्ती होते हैं, अक्सर उनका भार और पौष्टिकता स्तर उनकी पृष्ठभूमि में विविधता के हिसाब से कम होता है। पहले नौ महीने का प्राथमिक प्रशिक्षण चरण हुआ करता था, उसमें शुरुआत नए सिरे से करनी पड़ती थी, जिसमें यह वक्त उसे शारीरिक रूप से तगड़ा करने और अनुशासन में ढालने में निकल जाता था। इसके बाद शुरू होता व्यावसायिक प्रशिक्षण, चाहे उसे अग्रिम दस्ते का फौजी बनाना हो या अधिक तकनीकी हुनरयुक्त जवान, मसलन, टैंक, तोप, वायु रक्षा प्रणाली चलाने वाला। इनमें मामूली योग्यता पाने के लिए भी एक और साल खपता है जबकि अब महज छह महीने के प्रशिक्षण के बाद अग्निवीर को सेना में भर्ती किया जा रहा है। रंगरूट की ग्रामीण पृष्ठभूमि, शिक्षा का स्तर और किसी उम्र में भर्ती हुई, इनके परिप्रेक्ष्य में लगता नहीं कि अग्निवीर कोई बहुत बढ़िया कौशल विकसित कर पाएंगे। जो देश हम से आगे हैं, वहां नया रंगरूट पहले से किसी न किसी कौशल से युक्त होता है जैसे कि वाहन चलाने का हुनर, लेकिन भारत में इसके लिए भी तीन महीने तक लग सकते हैं।पूर्व एडमिरल अरुण प्रकाश का कहना है, कदाचित अग्निवीर थल सेना के लिए उपयोगी हों, जहां आक्रमण में अग्रिम दस्ते का फौजी बनने के लिए अधिक तकनीकी योग्यता की इतनी जरूरत नहीं है, लेकिन वायु सेना और नौसेना के लिए यह बड़ी समस्या बन जाएगी, जहां किसी नए भर्ती युवा को समुचित कार्यकारी अनुभव पाने के लिए कम से कम 5-6 साल की जरूरत पड़ती है, उसके बाद ही उसे किसी अभियान का हिस्सा या खतरनाक अस्त्रों का रख-रखाव, जटिल मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण चलाने का काम सौंपा जा सकता है। सरकार का कहना है कि इस योजना का मनोरथ केवल फौज की औसत आयु कम करना है न कि कोई अन्य उद्देश्य। लेकिन यदि पिछली बातों को याद करें तो सरकार के लिए इस तथ्य को मानने की जरूरत है कि यह योजना केवल वित्तीय बोझ कम करने की गर्ज से है, जिसका लाभ वैसे भी एक दशक बाद होना शुरू होगा। फिलहाल सेवानिवृत्त फौजियों को पेंशन देने में कुल खर्च 1.41 लाख करोड़ रुपये आता है अर्थात्‌ कुल रक्षा बजट का 22.7 फीसदी, जिसे सेना के गले में बंधे भारी पत्थर की तरह लिया जाता है।

विगत में युवा सैन्य बल बनाने की मांगों के चलते जरूरी नहीं कि फायदे के बदले नुकसान करवा बैठें। इस योजना को बंद करने की बजाय सरकार इसमें बदलाव लाए और खामियों को दूर करे, मसलन, प्रशिक्षण और कौशल विकास के विषय में। अग्निवीर का कार्यकाल चार साल से बढ़ाकर सात वर्ष करने का सुझाव अच्छा हो सकता है, और पिछले कुछ समय से इसकी मांग हो रही है। इससे प्रशिक्षण के लिए समुचित वक्त मिल पाएगा और ऐसा फौजी सैन्य बल को प्रभावशाली योगदान भी दे पाएगा। इस नए प्रावधान के मुताबिक जब तक कोई अग्निवीर सेवामुक्त होगा तब उसकी उम्र 24-28 साल के बीच होगी, जो नौकरी के विभिन्न मौकों के लिए आदर्श होगी, कुछ वक्त लगेगा पर ऐसे अवसर उनके लिए बनते चले जाएंगे।और यहां सनद रहे, कारगिल युद्ध-1999 में 550 से अधिक जो फौजी शहीद हुए थे, वे सभी पूरी तरह प्रशिक्षित, तपकर निकले और प्रतिबद्ध सैनिक थे न कि अग्निवीर। अग्निपथ योजना का इस किस्म का इम्तिहान होना बाकी है।

-साभार: लेखक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में अध्येता हैं।

माननीयों की फिसलती जुबान और जवाबदेही

■ विश्वनाथ सचदेव

जब दिल्ली में किसानों का आंदोलन चल रहा था तो प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ लोगों के लिए एक शब्द काम में लिया था आंदोलनजीवी ! उनका यह शब्द विपक्ष के लिए था, और विपक्ष के कई सदस्यों ने प्रधानमंत्री के इस प्रयोग पर आपत्ति भी प्रकट की थी। पता नहीं इस शब्द को असंसदीय कहा गया था या नहीं, पर यदि अब यह शब्द बोला गया तो निश्चित है इसे संसद की कार्रवाई के विवरण से हटा दिया जायेगा। यह बात इसलिए कही जा सकती है कि संसद में जुमलाजीवी शब्द को आपत्तिजनक माना गया है। इसी तरह कुछ और शब्द हैं जिन्हें हमारी संसद में असंसदीय माना गया है। अराजकतावादी, शकुनी, तानाशाह, जयचंद, विनाश पुरुष, खून से खेती जैसे और भी कई शब्द हैं जिन्हें संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है।

कुछ शब्दों को बोलने पर रोक लगाने की यह परिपाटी क्यों शुरू की गई थी, पता नहीं, पर चौबीसों घंटे के समाचार चैनलों वाले इस युग में किसी शब्द को 'कार्रवाई से निकाल दिये जाने' का कोई खास मतलब रह नहीं जाता। अब संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई 'लाइव' दिखाई जाती है। जब जो शब्द वहां बोला जाता है, सारी दुनिया तत्काल देख-सुन सकती है। ऐसे में किसी शब्द को रिकॉर्ड में न रखे जाने से क्या फर्क पड़ता है? फर्क तो तब पड़ेगा जब बोलने वाले को यह अहसास हो कि वह कुछ अनुचित तो नहीं बोल रहा। जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें। वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए। पर, सदन में जिस तरह का अप्रिय व्यवहार अक्सर दिख जाता है, उससे यह शंका होनी स्वाभाविक है कि हमारे नेता अपने बोले गये के प्रति कोई सावधानी बरतने के लिए सजग भी हैं अथवा नहीं?

शोर-शराबा, नारेबाजी, टोका-टाकी आदि तो स्वाभाविक है, पर इसकी भी कोई सीमा तो होनी चाहिए। सीमा के अतिक्रमण को हम कई बार देख-सुन चुके हैं। हमने अपने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को एक-दूसरे पर शब्द से ही नहीं हाथों से भी हमले करते देखा है।यह कहना तो गलत होगा कि हमारे प्रतिनिधि हमेशा आपत्तिजनक व्यवहार करते हैं, लेकिन सही यह भी है कि कई बार सदनों में संवादहीनता की स्थिति सीमाएं लांघ जाती है। इन सीमाओं का सम्मान होना चाहिए। संसद सड़क नहीं है। यूं तो सड़क पर भी व्यक्ति के व्यवहार की सीमाएं होती हैं, पर सदन के भीतर जो कुछ होता है वह आम नागरिक के लिए आदर्श व्यवहार का एक उदाहरण होना चाहिए। संसद के सदनों में, या विधानसभाओं में, जो कहा जाता है, जो किया जाता है, वह उच्चतम स्तर का होना चाहिए। सदन में होने वाली बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, शालीन होनी चाहिए। आज सवाल 'चाहिए' और 'है' के बीच के अंतर को समझने का है।

सदन के भीतर हमारे प्रतिनिधि जो कहते हैं जिस तरह की शब्दावली काम में लेते हैं, उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती। यह पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है कि वह किस शब्द को असंसदीय माने और उसे सदन की कार्रवाई से हटाने का निर्णय ले। असंसदीय मानी जाने वाली शब्दावली भी पीठासीन अधिकारी के विवेक का ही परिणाम होती है। इस संदर्भ में अक्सर विवाद होता है। अक्सर सांसद या विधायक अपने कहे को अनुचित मानने को लेकर आपत्ति करते हैं। जुमलाजीवी या बालबुद्धि या विनाश पुरुष जैसे शब्दों पर प्रतिबंध को लेकर भी विवाद सामने आये हैं। अक्सर विपक्ष के सदस्यों की शिकायत यह रहती है कि शब्दों को असंसदीय घोषित करके बोलने के उनके अधिकार का हनन किया जाता है, एक तरह से उनका गला घोंटा जाता है।संसद के चालू सत्र के दौरान भी ऐसी बात कही गई है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि 'सरकार की वास्तविकता को उजागर करने वाले शब्दों को संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है।' लेकिन लोकसभा के स्पीकर का मानना है कि शब्दों पर प्रतिबंध लगाना और शब्दों को कार्रवाई से हटाने में अंतर होता है– 'कोई भी सरकार संसद में बोले जाने वाले शब्दों पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती।' तकनीकी दृष्टि से देखा जाये तो स्पीकर का कहना सही लगता है। लेकिन सदस्य द्वारा बोले गये किसी शब्द को सदन की कार्रवाई से हटाए जाने का मतलब प्रतिबंध से कम भी नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का एक-दूसरे के व्यवहार को अनुचित ठहराना स्वाभाविक माना जा सकता है, पर जब विपक्ष को यह लगता है कि वह सारे शब्द कार्रवाई के विवरण से हटा दिये गये हैं जो सरकार की वास्तविकता को सामने लाते हैं तो 'असंसदीय शब्दों' को हटाने की परिपाटी पर सवाल तो उठता है, लेकिन सवाल माननीय सदस्यों के व्यवहार का भी है। निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करना कतई ग़लत नहीं है कि वह मर्यादित आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे और सही यह भी है कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों, मर्यादा लांघते दिख जाते हैं। बोलने में चूक हो सकती है, पर ज़रूरी है ऐसी चूक को तत्काल सुधारने का प्रयास हो। संसद के इस बजट सत्र की शुरुआत में सदन के बाहर अपने परंपरागत भाषण में प्रधानमंत्री ने जब यह कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर जब वे बोल रहे थे तो 'ढाई घंटे तक उनका गला घोंटने की कोशिश विपक्ष करता रहा' तो यह गला घोंटने वाली उनकी बात कइयों को अटपटी लगी थी। पर प्रधानमंत्री तत्काल संभल गये और उन्होंने अगले ही वाक्य में स्वयं को सुधारते हुए कहा, मेरे 'बोलने में रुकावट डाली गयी।'यह बात सदन के भीतर कही गयी होती तो शायद गला घोंटने वाली बात पर शोर-शराबा होता। इसीलिए कहा जाता है कि बोलने से पहले तोला जाये। कहते हैं कमान से निकला हुआ तीर और जुबान से निकला हुआ शब्द वापस नहीं होता। किसी शब्द को असंसदीय या संसदीय घोषित करने से बात बनती नहीं है। कोई शब्द यदि निश्चित रूप से अनुचित है तो उसे बोलने वाले को यह अहसास होना चाहिए कि उससे ग़लती हुई है। ऐसा अहसास ही मर्यादाओं को परिभाषित भी करता है और उनके पालन को अर्थवान भी बनाता है। यहीं इस बात को भी समझा जाना ज़रूरी है कि कुछ शब्दों को असंसदीय घोषित करना ही अनुचित का अहसास नहीं दिलाता। शायद संसद के हर सत्र से पहले लोकसभा सचिवालय पिछले सत्र के कथित असंसदीय संसदीय शब्दों की सूची जारी करता है। कुछ तरीका ऐसा होना चाहिए कि ऐसी सूची जारी करने की आवश्यकता ही न पड़े–हमारे सांसद विधायक जो कुछ कहें-करें वह उचित आचरण का उदाहरण बनें। क्या यह आशा करना कुछ ज्यादा चाहना है?

– लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। यह उनके विचार हैं।

आज सुबह 8 बजे से तवा बांध के पांच गेट खुले

इटारसी/सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम और हरदा जिले में किसानो के जीवन में हरित क्रांति लाने वाले तवा बांध के आज सुबह 8 बजे 5 गेट खोले गए आपको बता दें कि क्षेत्र में बीती रात से लगातार बारिश का सिलसिला जरी है रात भर से हो रही केचमेंट एरिया में बारिश के कारण डैम के गेट खोले गए। इस बारिश के चलते पहली बार गेट खुल रहे हैं। आज सुबह तवा बांध के एसडीओ एन.के. सूर्यवंशी से मिली जानकारी के अनुसार तवा बांध के जल संग्रहण क्षेत्र में हो रही बारिश एवम अतिवर्षा की स्थिति तथा जलाशय में पानी की आवक को देखते हुए ,निर्धारित जल स्तर बनाए रखने हेतु आज दिनांक 02/08/2024, को प्रातः 8.00 बजे से बांध के 5 गेट 5 फिट हाइट तक खोले जा रहे है । जिससे 40,000 घन फीट प्रति सेकंड (1135 क्यूसेक) जल की निकासी की जा रही है।

नर्मदापुरम विधानसभा की विद्युत व्यवस्था में सुधार होगा

विधायक के प्रयासों से डेढ़ दर्जन नए अतिरिक्त बिजली ट्रांसफार्मर लगेंगे

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा के प्रयासों से डेढ़ दर्जन से अधिक नये अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाये जाएंगे। इनमें दो के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, एक का कार्य जारी है जबकि सोलह के लिए सर्वे पूर्ण होकर स्थान चयन हो गया है, इनके लिए भी जल्द काम प्रारंभ होगा। इनके स्थापित होने के बाद लाइन ट्रिपिंग और लोड ज्यादा होने से विद्युत बाधा जैसी समस्याओं में सुधार आएगा। खास बात यह है कि अब तक खुले ट्रांसफार्मर की समस्या आती रही है, ये सभी नये ट्रांसफार्मर कवर्ड रहेंगे। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने बताया कि 33/11 केव्ही उपकेन्द्र ब्यावरा पर पॉवर ट्रांसफार्म की क्षमता वृद्धि कर 5 एमवीए की गई। इसी तरह से 33/11 केव्ही उपकेन्द्र ब्यावरा से 11 केवी नवीन कृषि फीडर निर्माण किया। 33/11 उपकेन्द्र ट्रैक्टर स्कीम से 11 केवी नवीन शहरी फीडर निर्माण का कार्य प्रगति पर है। चर्च के पास खेड़ा और साईं की बगिया के पास से अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का काम भी प्रारंभ हो गया है।

यहां लग रहे हैं अतिरिक्त ट्रांसफार्मर

इनके अलावा अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापना के लिए सर्वे कर स्थल का चयन होकर कार्य प्रारंभ भी हो गया है। ये ट्रांसफार्मर कोर्ट के पास 100 केव्हीए, स्वप्नेश्वर मंदिर के पास 100 केवीए, इंडस्ट्रियल एरिया 100 केवीए, इंडस्ट्रियल एरिया 200 केवीए, बैल बाजार में 200 केवीए, नाला मोहल्ला 200 केवीए, टैगोर स्कूल के पास 100 केवीए, काली मंदिर खेड़ा 100 केवीए, चर्च खेड़ा, 100 केवीए, बैंक कालोनी 100 केवीए, पांचवी लाइन 100 केवीए, साईं की बगिया 100 केवीए, बद्दू होटल 100 केवीए, पीपल मोहल्ला में 100-100 केवीए के दो और इंदिरा नगर नयायार्ड में 100 केवीए के अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किये जाएंगे। अगले तीन माह के भीतर उपरोक्त सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे, जिससे शहर की विद्युत व्यवस्था में सुधार आएगा।

नयायार्ड की विद्युत समस्या हल होगी

जमानी फीडर से जुड़े होने के कारण नयायार्ड के लोगों को गर्मी और बरसात में सबसे अधिक विद्युत समस्या का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण फीडर से जुड़े क्षेत्र के लोगों को वर्षों से इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यहां के लोगों को कई रातें अंधेरे में गुजारनी पड़ी हैं, लेकिन अब इस स्थिति से यहां के लोगों को निजात मिलेगी। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने यहां एक सब स्टेशन की स्वीकृति करायी। नयायार्ड क्षेत्र में स्थान नहीं मिलने के कारण विभाग ने इसे ग्राम भट्टी और नयायार्ड के मध्य तैयार किया है। करीब एक सप्ताह में इसकी अन्य समस्त कार्य पूर्ण कर चालू हो जाने की उम्मीद है।

सोनासांवरी में बनेगा सब स्टेशन

विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के प्रयासों से ग्राम सोनासांवरी में भी जल्द ही एक सब स्टेशन स्वीकृत हो जाएगा। ग्राम सोनासांवरी, साईं फार्च्यून सिटी और बम्हनगांव आदि की विद्युत समस्या को देखते हुए यहां एक सब स्टेशन का प्रोजेक्ट तैयार करके राज्य शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जा चुका है, जल्द ही इसकी भी स्वीकृति होकर कार्य प्रारंभ होगा और इन क्षेत्रों को भी बिजली संबंधी समस्या से निजात मिल सकेगी।

नियमानुसार संचालित नहीं होने पर बेसमेंट के विरुद्व की गई कार्यवाही

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में 29 जुलाई को आयोजित वीडियों कांफ्रेंस में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना से नर्मदापुरम जिले की नगरीय निकायों में बेसमेंट में संचालित / बनाए गए भवन एवं संस्थानों

जैसे- धर्मशाला, लाज, होटल, कोचिंग सेंटर, अस्पताल. गोदाम, व्यवसायिक भवन, आवासीय भवन, लायब्रेरी, मैरिज हाल, कार्यालय, जिम इत्यादि में आए दिन हो रही दुर्घटनाओं एवं जनक्षति को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता का परिचय देते हुए, प्रशासनिक जबावदेही को मानते हुए, प्राथमिकता से सर्वे कराकर 3 दिवस में जानकारी संग्रहित कर विधि एवं नियम के विरुद्ध संचालित संस्थाओं एवं भवन के मालिकों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर द्वारा परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण नर्मदापुरम को दिए गए निर्देशानुसार जिले की समस्त नगरीय निकायों से वेसमेंट की जानकारी ली गई, जिसमें निकायो द्वारा सर्वे कार्य कर जानकारी भेजी गई। सर्वे उपरांत जिले की समस्त निकायो में 80 वेसमेंट पाए गए है। जिसमें से 72 वेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित है एवं 08 वेसमेंट शासन नियमानुसार संचालित नहीं होने के संबंधितों के विरुद्ध निकायों द्वारा कार्यवाही की गई है। जिसमें नगरपालिका नर्मदापुरम में 33 में से 28 वेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित है एवं 05 वेसमेंट शासन नियमानुसार संचालित नहीं है, नगरपालिका इटारसी में 08 में से 08 वेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित है, नपा सिवनी मालवा में 04 वेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित हैं, नपा पिपरिया में 07 में से 04 वेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित है एवं 03 वेसमेंट शासन नियमानुसार संचालित नहीं है, नगरपरिषद सोहागपुर में 15 बेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित हैं, नगरपरिषद माखननगर में 10 बेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित है एवं नगरपरिषद बनखेडी में 03 वेसमेंट शासन के नियमानुसार संचालित है।

सर्वाइकल कैंसर से बचाओ हेतु शिविर का आयोजन

100 बालिका एवं महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर रोधी टीके लगाये गए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

रेडक्रॉस और ओझा बस्ती को गोद ली हुई नव अभ्युदय संस्था के सहयोग से इटारसी शहर की ओझा बस्ती मे निवासरत 15- से 45 वर्ष तक की महिलाओं एवम किशोरियो हेतु सर्वाइकल कैंसर से बचाओ हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ एस डी एम इटारसी प्रतीक राव, तसीलदार सुनीता साहनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी, बाल कल्याण समिति सदस्य सुमन सिंह की उपस्थिति मे किया गया। शिविर में कुल 100 महिला और बालिकाओं को यह इंजेक्शन लगाया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के एन सी डी (गैर संचारी रोग) नेशनल प्रोग्राम के अंतर्गत प्रदेश के समस्त जिलों में 30 से 65 वर्ष की आयुवर्ग की महिलाओं मे सरवाईकल कैंसर सबसे आम स्त्रीरोग संबंधी कैंसर है।महिलाओं में यह बीमारी सभी घातक बीमारियों में से तीसरे स्थान पर है तथा महिलाओ की युवा आबादी में सामान्यतः पायी जाने वाली बीमारी है।मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ दिनेश देहलवार ने बताया कि सरवाईकल कैंसर की शुरूआती अवस्था में

महिलाओं में कोई लक्षण नजर नही आते है, शुरूआती अवस्था में सरवाईकल कैंसर का पता लगने पर इसका उपचार आसान रहता है।

■ महिला में सर्वाइकल कैंसर के निम्न लक्षण पाये जा सकते हैं
■ अनियमित महावारी ■ सफेद एवं बदबूदार वेजाईनल स्त्राव
■ रजोनिवृत्ति उपरांत रक्त स्त्राव,पेट एवं कमर दर्द ■ सरवाईकल कैंसर की जॉच वी आई ए (विसुअल इंस्पेकशन विथ एसिटिक एसिड) के माध्यम से की जाती है, यह एक साधारण परीक्षण है जिसके द्वारा आसामान्य कोशिकाओं का पता लग जाता है
■ सरवाईकल कैंसर की रोकथाम और प्रबंधन में एच पी बी (पेपिलोमा वायरस) की जॉच महत्वपूर्ण है। एच पी बी का एक विशेष प्रकार हाईरिस्क स्ट्रेन 16 और 18 सर्विक्स के कैंसर के लिये अत्याधिक ओंको जेनेसिस फैक्टर होता है। ज़ जिला चिकित्सालय में पेप स्मीयर सेंपलिंग के द्वारा भी सर्वाईकल कैंसर की स्क्रीनिंग की जाती है।

जिले मे सर्वाइकल कैंसर से बचाव एवं जागरूक करने के अभियांन चलाया जा रहा है। इस अवसर पर चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी श्री डॉक्टर दिनेश देहलवार, डी.एच.ओ. आर के वर्मा, अधीक्षक श्री डॉक्टर आर के चौधरी, डीसीएम शैलेंद्र शुक्ला, परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला, सतीश पटेल, डॉक्टर रिचा राय, एचवी वंदना राज, सरोज वर्मा, एएनएम सुधा मिश्रा, स्टाप नर्स आशा कार्यकर्ता विनम लोवंशी, निकिता मालवीय, सुचित्रा घोष, हेमलता, सेक्टर सुपरवाइजर पूनम मौर्या अर्चना बस्तावर, पूजा गौर अर्चना साहू रेखा मालवीय ज्योति,सीमा, सोनिया, उषा रैकवार आदि मौजूद रहे।

पचमढ़ी में नागद्वारी मेला प्रारंभ : जिला प्रशासन ने की सुरक्षा स्वास्थ्य पार्किंग आदि की व्यापक व्यवस्था

अपने आराध्य के दर्शन करने बारिश की रिमझिम फुहार में श्रद्धालु पहुंचे रहे पचमढ़ी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

एक अगस्त से पवित्र नगरी पचमढ़ी में प्रसिद्ध नागद्वारी मेले का शुभारंभ हो गया है। मेले में बारिश की रिमझिम फुहार के बीच पूरे उत्साह एवं आनंद के साथ श्रद्धालु भक्ति भाव से अपने आराध्य नाग देवता के दर्शन करने पचमढ़ी स्थित पवित्र गुफा पहुंच रहे हैं। 10 अगस्त तक चलने वाले इस मेले में संपूर्ण नर्मदापुरम जिले सहित आसपास के राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पचमढ़ी स्थित पवित्र नागद्वारी गुफा पहुंच रहे है। श्रद्धालु भीगते, जयकारे लगाते दुर्गम रास्तों से होकर नाग देवता

के दर्शन करने मंदिर पहुंच रहे हैं। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा मेले के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत द्वारा नागद्वारी में मौजूद रहकर समस्त व्यवस्थाएं देखी जा रही है। श्री रावत ने बताया कि प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को निर्विघ्न दर्शन हो इसलिए मेला क्षेत्र में तथा पवित्र मंदिर तक रास्ते में चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया है कि 1 अगस्त को बड़ी संख्या में बारिश होने के बाद भी श्रद्धालुओं ने नाग देवता के दर्शन किये। श्री रावत द्वारा जानकारी दी गई है कि पूरे मेला क्षेत्र को 16 सेक्टर में बांटा गया है जहां पर प्रत्येक सेक्टर में सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात है। श्रद्धालुओं के लिए जिप्सी की व्यवस्था की गई है। साथ ही वाहन पार्किंग के लिए भी व्यवस्थाएं मौजूद है। सुरक्षा की दृष्टि से लगभग 750 जवान पूरे मेला क्षेत्र में तैनात रहेंगे। ढाई सौ से ज्यादा शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी संपूर्ण मेला क्षेत्र में तैनात हैं। श्री रावत ने बताया है कि श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय रूप से पचमढ़ी में तैनात है।

मेट्रो एंकर

उच्च स्तरीय सुविधाओं को हमेशा सही संचालन के स्थिति में रखें

अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस एंबुलेंस का कलेक्टर ने किया लोकार्पण, दिखाई हरी झंडी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रतिभूति कागज कारखाना एसपीएम नर्मदापुरम द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के अंतर्गत सीएसआर के तहत जिला चिकित्सालय को 1 करोड से अधिक की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गई है। जिसमें अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त एम्बुलेंस, एडवांस लाईफ सपोर्ट सिस्टम एवं अन्य चिकित्सा उपकरण शामिल है। गुरूवार को जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में 1 करोड से अधिक के उपकरणों का लोकार्पण किया गया। कलेक्टर सोनिया मीना ने इस अवसर पर उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि एसपीएम द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र के विभिन्न संसाधन एवं सामग्री की सहायता दी जाती रही है। अब हमारा दायित्व हो गया है कि हम इन दिए गए अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों को हमेशा संचालन की स्थिति में रखें और जिला चिकित्सालय के स्टाफ को इसके लिए प्रशिक्षित करें ताकि जनता इनका समुचित उपयोग कर सकें। एसपीएम के मुख्य महा प्रबंधक वेंयकटेस कुमार ने एसपीएम की सीएसआर गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि एसपीएम द्वारा सामाजिक दायित्व के कई कार्यक्रम चलाए जा रहें है एवं जिले के ग्रामीण अंचलों को भी विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने में आगे आ रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश देहलवार ने एसपीएम के द्वारा सीएसआर के तहत किए जा रहें कार्यो की सराहना की। इस अवसर पर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लेंस एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया। एसपीएम के जनसंपर्क अधिकारी संजय भावसार ने बताया कि जिला चिकित्सालय को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसर्जित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ महेश्वरी ने हर चिकित्सा उपकरण का उपयोगिता का विस्तृत विवरण दिया और बताया कि यह सुविधाएं जिला चिकित्सालय के लिए एक सौगात है। डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर के मार्गदर्शन में संपूर्ण कार्यक्रम संचालित किया गया। कार्यक्रम में एसपीएम के मानव संसाधन प्रमुख अशेष अभिनाषी, एजीएम अमित कुमार, व्योम त्रिपाठी, पलनी कुमार, वित्त प्रमुख विवेक तनेजा, गोविंद रघुवंशी एवं जिला चिकित्सालय का स्टाफ मौजूद था।

यातायात विभाग की चेतावनी को स्कूल वाहन चालकों ने नहीं लिया गंभीरता से, जांच में खुली पोल, बने चालान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। बच्चों की जान जोखिम में डालकर वाहनों को सड़कों पर दौड़ने का काम अधिकांश स्कूलों के वाहनों चालकों के द्वारा किए जा रहा है। स्कूल प्रबंधन के द्वारा भी इस और ध्यान नहीं दिया जाता है इस वजह से कई बार हादसे से भी हो चुके हैं। उनको रोकने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने सभी वाहन चालकों तथा विशेष रूप से स्कूल वाहन चलाने वालों चालकों की बिगत दिनों बैठक लेकर सख्त हिदायत देते हुए कहा था कि यातायात विभाग के द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन करें बगैर नियम के कोई भी वाहन ना चलाएं स्कूल वाहनों में सभी नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए थे ताक पर रखने का काम स्कूल वाहन चालकों के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें निर्मला कान्वेंट स्कूल, ईश स्कूल सहित कई अन्य स्कूलों के वाहनों में नियमों का पालन नहीं हो रहा है। गुरुवार को यातायात विभाग के प्रभारी रितेश वाघेला और उनकी टीम के द्वारा जब स्कूल वाहनों की जांच पड़ताल की तो इनकी पोल खुल गई नियमों का उल्लंघन पाए जाने 14 वाहनों पर 7700 का चलन भी किया गया है।

यातायात प्रभारी रितेश वाघेला ने बताया निर्मला कान्वेंट स्कूल ईशा स्कूल सहित कई स्कूलों के वाहनों की जांच की जिनमें नियमों का पालन नहीं होने पर चलानी कार्रवाई की है।

1. वाहन संबंधी कागजात (लाइसेंस, बीमा फिटनेस, परमिट इत्यादि) पूर्ण रखें।
2. क्षमता से अधिक बच्चों को ना बैठाएं।
3. बच्चों को बैठाते या उतारते समय सावधानी बरतें एवं सतर्कता से वाहन चलाए जिससे कि दुर्घटना से बचा जा सके।
4. वाहन मे बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए गेटदृजाली लगवाए।
5. स्कूल वाहन पर रजिस्ट्रेशन नंबर विधिवत हो एवं वाहन मालिक चालक दोनों का मोबाइल नंबर भी लिखा हो।
6. बारिश के समय पुल पर पानी होने पर वाहन ना निकाले एवं वाहन धीरे चलाए,
7. शराब पीकर एवं मोबाइल पर बात करते हुए वाहन ना चलाए।
8. नाबालिग बच्चों को बिना लाइसेंस के वाहन ना चलाने दे।
9. वाहन मे अग्नि शमन यंत्र, मेडिकल बॉक्स, इमर्जेंसी खिड़की सही हो इत्यादि बातों को अमल मे लाने की समझाइश गई।

संजीवनी बनकर आई 108 एम्बुलेंस

सिरोंज। थाना लटेरी अंतर्गत एचपी पेट्रोल पंप के पास में मकसूदानगढ़ रोड पर तीन लोग एक मकान में काम कर रहे थे तभी अचानक एक पिलर में करंट आ जाने से तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी गई 108 एंबुलेंस तत्काल फोन पर पहुंचकर तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लटेरी में भर्ती कराया। एवं प्राथमिक उपचार के बाद तीनों पेशेंट को लटेरी से 108 एंबुलेंस के माध्यम से विदिशा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार तीनों की हालत अब ठीक है बताई जा रही है वही घायल प्रीतम सिंह उम्र 24 साल पिता का नाम सोरन सिंह मुकेश सिंह पिता का नाम नारायण सिंह रामचरण उम्र 35 साल पिता का नाम मांगीलाल बताया गया है।

शिक्षक की विदाई समारोह में भावुक हुए अभिभावक व बच्चे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। गुरुवार को ग्राम विशेपुर की प्राथमिक शाला में विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान गुरु व शिष्य के प्रेम की अनोखी तस्वीर देखने को मिली यह सब नजारा देख मौके पर मौजूद अन्य विद्यालयों के प्राचार्य शिक्षक भी भावुक देख हुए विदाई समारोह में जहां विदा होने वाले अध्यापक की आखें नम हो गई। वहीं बच्चे व अभिभावक भी अध्यापक को अलविदा कहते समय अपने आंसु नहीं रोक सके। यह नजारा विशेपुर की प्राथमिक शाला में तब देखने को मिला जब मोहनदास बैरागी अध्यापक का रिटायरमेंट हो जाने पर उनके लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। प्रशासनिक दृष्टि से रिटायर्ड हुआ हूं सेवाएं बरकरार रहेंगी विदाई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक मोहनदास बैरागी ने बताया कि प्रशासनिक दृष्टि से रिटायर्ड हुआ हूं छात्रों के प्रति मेरी निष्ठा और मेरा सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा जहां मेरी आवश्यकता होगी मैं वहां

सेवा के रूप में अध्यापन कार्य जारी रखूंगा मेरे पास जो भी है हमेशा उसको छात्रों को देने का प्रयास करूंगा मैं अपने आप को बहुत ही सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे एक शिक्षक के रूप में सेवा करने का कार्य मिला था उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान बहुत जरूरी है।

संकुल प्राचार्य मनोज शर्मा ने शिक्षक मोहनदास बैरागी के कार्य को सराहनीय बताते हुए उनका कार्यकाल एक आदर्श और उदाहरण के रूप में रखा शर्मा ने कहा कि ऐसे शिक्षक का होना सौभाग्य की बात है समारोह के दौरान पुष्प माला व पगड़ी बांधकर सम्मान किया गया।

कीचड़ से हो रहे परेशान सब्जी मंडी के व्यापारियों ने लगाए नारे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। मुख्य नगर पालिक अधिकारी के रूखे व्यवहार के कारण व्यवस्था बनने की जगह पर नगर पालिका की बिगड़ रही है। इन्हें तो शहरवासियों की जन समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है तभी तो शिकायतों के बाद भी कोई ध्यान नहीं देते हैं इस वजह से समस्याएं बढ़ती ही जा रही है। जबकि नीचे से लेकर ऊपर तक की सरकार भाजपा की होने के बाद भी नगर पालिका परिषद में सब्जी व्यापारियों को हाय-हाय के नारे लगाने पड़ रहे हैं जिसके कारण नगर पालिका परिषद किरकिरी हो रही है पर इनको इससे भी कोई मतलब नहीं है ज्यादातर समय यह कार्यालय में रहते ही नहीं है शहर में तो जाते ही नहीं है ऐसी शिकायत भी सामने आ रही है। गुरुवार को बड़ी संख्या में सब्जी व्यापारियों ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर जमकर नारेबाजी की इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि तोष मणी पंथी ने सब्जी व्यापारियों से बात करते हुए उनकी समस्याओं के संबंध में उपमंत्री अखिलेश मार्को और अकाउंटेंट मनीष नेमा को इनकी समस्याओं को संबंध में ज्ञापन दिलवा का उनकी समस्या का समाधान करवाने का आसपास में दिया गया। वहीं व्यापारियों का कहना है कि हम कई बार नगर पालिका सीएमओ अध्यक्ष उपाध्यक्ष और एसडीएम को आवेदन दे चुके हैं पर हमारी समस्या का कोई समाधान नहीं हो रहा है नगर पालिका सीएमओ तो हमारी समस्याओं को देखने को तैयार नहीं हो रहा है। कार्यालय में मिलते नहीं है बरसात के दिनों में हम लोगों को व्यापार करना मुश्किल हो रहा है जल्दी हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम सड़कों बैठकर प्रदर्शन करेंगे जिसकी समय जिम्मेदारी शासन प्रशासन हुई दौरान बड़ी संख्या में सब्जी व्यापारी मौजूद थे।

नपा ने बस स्टैंड सब्जी मंडी से हटाया अतिक्रमण तो हुआ विरोध

सिरोंज। पिछले कुछ दिनों से नगर पालिका परिषद के द्वारा अतिक्रमण करने वालो को एलाउंसमेंट करके चेतावनी दी जा रही थी जिनका अतिक्रमण है वहां स्वयं हटा ले नहीं तो कार्रवाई की जाएगी जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी। गुरुवार को नगर पालिका ने दलबल के साथ कार्रवाई करते हुए सामान को जप्त भी कर लिया स्टेंड के पास नई सब्जी मंडी में, शासकीय दुकानों के बाहर व शासकीय भूमि, में

टीनशेड के अंदर अतिक्रमण कर रखी सामग्री को अतिक्रमण विरोधी दल द्वारा हटाने की कार्यवाही की गई। दल के प्रभारी संजीव यादव ने बताया कि एसडीएम और मुख्य नगर पालिका के निर्देशो पर बस स्टैंड और सब्जी मंडी से अतिक्रमण हटाने का काम किया गया यहां पर कुछ सब्जी व्यापारियों ने अतिक्रमण हटाने के दौरान विरोध किया पर हमने अपनी कार्यवाही को निमय अनुसार करते हुए अतिक्रमण को हटा दिया गया शहर में अतिक्रमण एक बार फिर से तेजी से पैर पसारने लगा है। इस वजह से शासन की करोड़ों रुपए की जमीन भी कई लोगों ने दावा रखी है उसको मुक्त करवाने में अब प्रशासन को पसीना आ रहा है। जिसमें प्राचीन तालाब की जमीन भी शामिल है और लटेरी रोड स्थित संस्कार ग्रीन वैली स्कूल पर भी शासन की करोड़ों रुपए की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके निर्माण करने की आरोप भी लगे हैं। उसको हटाने के लिए भी कई दिनों से प्रशासन के द्वारा कार्रवाई करने की बात कही जारी पर अभी तक कार्रवाई नहीं हो पाई है।

रुद्राभिषेक महामृत्युंजय जाप एवं नव नाग पूजन जोड़ा विशेष पूजन का आयोजन

सिरोंज। विकास एवं जनकल्याण की भावना और अच्छी वर्षा के लिए भगवान् शिव की कृपा पाने के उददेश्य से नगर सिरोंज में आठ दिवसीय श्री शिव पार्थिव रुद्राभिषेक महामृत्युंजय जाप एवं नव नाग पूजन जोड़ा विशेष पूजन का आयोजन 2 अगस्त 2024 से 9 अगस्त 2024 तक प्रातः 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अनंत श्री गार्डन कुरवाई रोड सिरोंज पर ब्रह्म ऋषि पंडित नलिनी कांत शर्मा के आचार्य तत्व प्राप्त जानकारी के अनुसार गत वर्ष अनुसार श्री शिव प्रिय श्रावण मास के पावन अवसर पर शुक्रवार 2 अगस्त 2024 शुक्रवार से 9 अगस्त 2024 तक सुबह 9:00 से शाम 5:00 बजे तक श्री शिव पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण पूजन महा रुद्राभिषेक किया जावेगा वही सवा लाख श्री महामृत्युंजय जाप भी किये जायेगे श्री नाग पंचमी को नवजात जोडा विशेष पूजन, महा रुद्राभिषेक हवन पूर्णाहुति प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रखा गया हैं नलिकांत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सावन का महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है इस श्रवण मास में पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर पूजा अर्चना करने वाले मनुष्यों को भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है महामृत्युंजय जब एवं रुद्राभिषेक करने से अकाल मृत्यु कब है समाप्त होता है सिरोंज त्रिपुरा सुंदरी शीतला शक्ति एवं महामाया के भक्तों ने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्म लाभ प्राप्त कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आम नागरिकों से की है।

पेट्रोलियम मंत्री ने सुविधाओं के विस्तार का दिया आश्वासन: सांसद वानखेड़े

सागर। सागर लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े के प्रयासों से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। उन्होंने भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी से मुलाकात कर नयारोलाई, सागर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड डिपो टर्मिनल को सतना स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को रद्द करने का अनुरोध किया था। नयारोलाई, सागर डिपो टर्मिनल एक सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई द्वारा किया गया एक महत्वपूर्ण निवेश है और यह हमारे क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति के वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सागर की मौजूदा बुनियादी ढांचा और

सामरिक स्थिति, जो ट्रेन और सड़क द्वारा अच्छी तरह से जुड़ी हुई है, इसे एक आदर्श स्थान बनाती है। सांसद डॉ. लता वानखेड़े के अनुरोध के बाद डिपो के स्थानांतरण को रोक दिया है और यह डिपो सागर लोकसभा क्षेत्र में कार्यरत रहेगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने डिपो की सुविधाओं के विस्तार और उसकी क्षमता बढ़ाने का भी आश्वासन दिया है।यह निर्णय से आपूर्ति सागर डिपो से ही जारी रहेगी इस निर्णय पर जिला सागर पेट्रोलियम एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र दूबे, कपिल नाहर, सचिव सौरभ राँधेलिया, जिला कोषाध्यक्ष अक्षत चौकसे एवं समस्त सदस्यों ने सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े का आभार व्यक्त किया है।

स्तनपान पर आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण उपरांत ऑनलाइन एग्जाम हुआ संपन्न

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। विकासखंड सिरोंज अंतर्गत समस्त आशा कार्यकर्ताओं का व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन एवं आईआईटी मुंबई द्वारा महिला एवं शिशु पोषण तथा स्तनपान पर आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण उपरांत ऑनलाइन एग्जाम संपन्न हुआ। एग्जाम में 275 आशाओं ने भाग लिया इसका उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मचारियों के माध्यम से जनसमुदाय में स्तनपान एवम मातृ शिशु पोषण के संबंध में जागरूकता को बढ़ावा देना है। ऑनलाइन प्रशिक्षण को लेकर आशाओं में उत्साह देखने को मिला उक्त परीक्षा में बी एम ओ डाक्टर विकास सिंह, डॉक्टर शुजा बेग डॉक्टर मुकुल दांगी ,बी पी एम सुनील पंथी, बी सी एम मोहसिन खान,बी ई ई मुन्ना लाल जे डी शाक्य,राजेश पाठक,संदीप यादव,प्रदीप विश्वकर्मा,निशा वशिष्ठ,दर्पण रंगारे,धर्मेश शर्मा एवं अन्य नोडल उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | अवैध कॉलोनी की भरमार से आम जनता हो रही है परेशान

कलेक्टर ने अवैध कॉलोनी पर शिकंजा कसने के लिए अब बनाई जांच टीम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। अवैध रूप से कॉलोनी काटने का गौरधंधा करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए अब कलेक्टर सख्त होते हुए नजर आ रहे हैं। भूमि माफियाओं के द्वारा अपने फायदे के लिए नियमों को दरकिनार करते खेती योग्य भूमि और पट्टे की जमीन पर भी कॉलोनी आकर ले रही है जिनके समाचार लगातार हमारे संवाददाता द्वारा प्रकाशित किया जा रहे हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य ने आदेश जारी कर जिले में अवैध कॉलोनी की जांच किए जाने हेतु मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 एवं अंतर्गत बने नगर पालिका (कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण निर्वधन तथा शर्त) नियम समय-समय पर जारी संशोधन के तहत जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने हेतु जांच दल का गठन किया है।

कलेक्टर द्वारा गठित दल में डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट सुश्री निकिता तिवारी को जांच दल का अध्यक्ष एवं जिला पंजीयक श्रीमती क्षिप्रा सेन, सहायक अधीक्षक भू अभिलेख योगेश श्रीवास्तव को सदस्य तथा जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी जाबिर खांन को समन्वयकर्ता नियुक्त किया गया है। कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा जनसुनवाई एवं विभिन्न समाचार पत्रों तथा अन्य माध्यमों से जिले में नगरीय निकाय एवं उसके आसपास तथा जिले के बड़े कस्बों, ग्राम में अवैध कालोनियां विकसित हो रही हैं जिनमें आमजन, रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान नहीं की जा रही हैं की जानकारियां प्राप्त होने पर मामले को संज्ञान में लेकर

जांच दल का गठन किया गया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि उक्त जांच दल स्थानीय राजस्व अधिकारियों, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से समन्वय स्थापित कर अवैध कॉलोनी की जानकारी प्राप्त की जाकर उनका परीक्षण कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उक्त जांच दल द्वारा क्षेत्रीय मैदानी अमले के साथ मौका स्थल का भ्रमण कर विकसित हो रही अवैध कॉलोनी के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए।

बिना अनुमति धड़ल्ले से कट रही अवैध कॉलोनीयां

कॉलोनी काटने के लिए कई नियमों का पालन होना चाहिए पर इनमें से किसी भी नियम का पालन विकासखंड में होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। अधिकांश अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों के द्वारा डायवर्सन भी नहीं कराया जाता है। वहीं नगर निवेश विभाग से लेकर नगर पालिका, एसडीएम कार्यालय तथा सभी विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने के बाद ही कॉलोनी काट सकते हैं। टीएनसीपी भी करनी होती है। इसके बाद ईडब्ल्यूएस के लिए प्लांट छोड़ने पड़ते हैं सभी सुविधाएं उपलब्ध करानी होती हैं सड़क, नाली, पानी, बिजली के साथ गार्डन भी होता है।

इनका कहना है

पटटे की भूमि पर यदि कालोनी काटी गई है तो उसकी जांच करवा कर हम कार्रवाई करेंगे अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

हर्षल चौधरी एसडीएम

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

E-mail Id-mpbhopal@gmail.com

क्रमॉक/ 1230/ खनिज/2024 — भोपाल, दिनॉक-24.07.2024

// प्रथम सूचना//

मप्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियत , 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/ पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए.

यह सूचित किया जाता है कि बग्लामुखी माईन्स प्राईवेट लिमिटेड बैरसिया (द्वारा डायरेक्टर 1. श्रीमति सोनिका तिवारी, 2. श्रीमति अंजू सेगर, 3. श्रीमति बिन्दू खत्री) पता वार्ड नं. 15/17 नीलबड़ कालोनी बैरसिया जिला भोपाल म.प्र. द्वारा खनिज एम-सेण्ड उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 18/07/2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 20/08/2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किया जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	बैरसिया	मंगलगढ़	23/1/1, 242,243, 244, 245, 246, 247 एवं 248	4.000 हे	शासकीय	एम-सेण्ड	कुल रकबा 4.000 हेक्टे.

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन परत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05.30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. खनिज नियम 1996 के नियम -21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशत विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के अनियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

G-14254/24

सह. खनिज अधिकारी
जिला भोपाल

इंडिया-श्रीलंका पहला वनडे आज विराट-रोहित 7 महीने बाद खेलेंगे

कोलंबो. एजेंसी

श्रीलंका को 3-0 से टी-20 सीरीज हराने के बाद टीम इंडिया आज वनडे सीरीज का पहला मैच खेलने उतरेगी। मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में दोपहर 2.30 बजे से खेला जाएगा। श्रीलंकाई टीम इंजर्ड मथीश पथिराना समेत अपने 4 प्रमुख तेज गेंदबाजों के बिना उतरेगी। भारत टी-20 टीम के 6 प्लेयर्स के बिना उतरेगा, उनकी जगह कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी लेंगे। रोहित और विराट दोनों ही वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद पहला ही वनडे खेलेंगे। दूसरी ओर ऋषभ पंत नवंबर 2022 के पहला वनडे खेलते नजर आएंगे। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि उन्हें प्लेइंग-11 शामिल किया जाएगा या नहीं? क्योंकि केएल राहुल वनडे टीम में फर्स्ट चॉइस विकेटकीपर के रूप में एस्टैब्लिश हो चुके हैं।

श्रीलंका 4 तेज गेंदबाजों के बिना उतरेगा

श्रीलंका टीम अपने तेज गेंदबाजों की चोट से जूझ रही है। टी-20 टीम का हिस्सा रहे मथीश पथिराना तीसरे टी-20 में चोटिल हो गए। इस कारण उन्हें वनडे टीम से बाहर होना पड़ा। उनसे पहले दुष्मंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका और नुवान थुषारा भी चोट के चलते बाहर हो चुके हैं। ऐसे में श्रीलंका के सामने भारत की फुल स्ट्रेंथ बैटिंग लाइन-अप को रोकने की बड़ी चुनौती है।

श्रीलंका पर 100वीं जीत का मौका

भारत के पास आज श्रीलंका पर 100वीं वनडे जीत दर्ज करने का मौका है। दोनों के बीच 168 वनडे हुए, 99 में भारत और 57 में श्रीलंका को जीत मिली। इस दौरान 1 वनडे टाई और 11 बेनतीजा रहे। 2014 से तो भारत ने श्रीलंका को 25 में से 21 वनडे हराए हैं। महज 4 में श्रीलंका को जीत मिल सकी। पिछले 2 वनडे में भारत के मोहम्मद सिराज और तेज गेंदबाज पूरी श्रीलंका टीम पर भारी पड़े। सिराज ने एशिया कप फाइनल में 6 और वनडे वर्ल्ड कप में 3 विकेट लिए थे। इनमें श्रीलंका 50 और 55 रन पर ही सिमट गया था।

रोहित-विराट की 7 महीने बाद वापसी

भारत की वनडे टीम टी-20 से बदली हुई है। स्क्वॉड के 6 प्लेयर्स चेंज हुए, इनमें कप्तान रोहित, विराट, कुलदीप के साथ विकेटकीपर केएल राहुल, हर्षित राणा और श्रेयस अय्यर शामिल हैं। रोहित और विराट 7 महीने बाद वनडे खेलेंगे, दोनों ने 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के रूप में आखिरी वनडे खेला था। भारत की वनडे की प्लेइंग-11 वैसे तो तय है, लेकिन जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी में नए प्लेयर्स को मौका मिल सकता है। हर्षित राणा डेब्यू कर सकते हैं। वहीं पंत और राहुल में किसी एक विकेटकीपर को चुनना पड़ा तो टीम मैनेजमेंट अनुभवी राहुल के साथ जा सकती है। एशिया कप से ही राहुल का प्रदर्शन शानदार रहा। उनकी कप्तानी में भारत ने साउथ अफ्रीका को भी पिछली सीरीज हराई थी।

पेरिस ओलिंपिक आज हॉकी में भारत का मैच ऑस्ट्रेलिया से

पेरिस. एजेंसी

भारत की युवा तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज बोम्मदेवरा आर्चरी के मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत की चुनौती पेश करेंगे। राउंड ऑफ-16 में भारत का मुकाबला इंडोनेशिया से होगा। वहीं लक्ष्य का मुकाबला चाउ टिएन चेन से होगा। बैडमिंटन सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन का सामना चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन से होगा। जीतने पर लक्ष्य का सेमीफाइनल में डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से होगा। हॉकी के मैदान पर भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। कुकाबोरा की नजरें नंबर-1 पोजिशन हासिल करने पर होंगी, जबकि भारतीय टीम जीतकर नंबर-2 पर पहुंचना चाहेगा। फिलहाल, बेल्जियम 12 अंक के साथ नंबर-1 पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 9 पॉइंट्स के साथ दूसरे और भारत 7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

मेट्रो बाजार

म्यूचुअल फंड्स में नहीं होगी गड़बड़ी! इनसाइडर ट्रेडिंग के नियम 1 नवंबर से लागू

मुंबई. एजेंसी

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले भारतीय निवेशक विदेशी फंड हाउस के बदले घरेलू फंड हाउस (एसेट मैनेजमेंट कंपनियों) को प्राथमिकता दे रहे हैं, यही वजह है कि देश के टॉप म्यूचुअल फंड हाउस में केवल दो विदेशी फंड हाउस निप्पॉन और मिरे एसेट शामिल हैं। भारतीय बैंकों पर मजबूत भरोसे के कारण भारतीय निवेशक इन बैंकों के म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना पसंद करते हैं, लेकिन हाल के दिनों में म्यूचुअल

फंड्स पर आरोप लगे हैं वि उन्होंने इनसाइडर ट्रेडिंग के जरिए पैसे कमाए हैं। अब ऐसा नहीं होगा। पारदर्शिता लाने के लिए सेबी 1 नवंबर से म्यूचुअल फंड्स में भी इनसाइडर ट्रेडिंग के नियम लागू करेगा। नया नियम उन कर्मचारियों के लिए होगा, जिनके पास प्राइस सेंसिटिव यानी किसी शेयर के दाम घटने या बढ़ने जैसी जानकारी है। ऐसे कर्मचारियों को गोपनीयता समझौते पर हस्ताक्षर करने होगा कि वे संवेदनशील जानकारी किसी से साझा नहीं करेंगे।

प्राइस सेंसिटिव इंफॉर्मेशन रखने वाले अब म्यूचुअल फंड यूनिट की ट्रेडिंग नहीं कर पाएंगे। फंड हाउस को बताना होगा कि उनकी स्कीम में ट्रस्टी और उनके रिश्तेदारों की होल्डिंग कितनी है। कर्मचारियों को अपने लेनदेन की जानकारी दो दिन में देनी होगी। अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड में घरेलू फंड की तुलना में अधिक खर्च होता है, क्योंकि उन्हें विदेशी मुद्रा शुल्क और संरक्षक शुल्क जैसी अतिरिक्त लागतें देनी पड़ती हैं। अंतरराष्ट्रीय इक्विटी म्यूचुअल फंड से होने वाले लाभ पर घरेलू म्यूचुअल फंड से होने वाले लाभ की तुलना में अधिक दर से टैक्स भी लगाया जाता है, क्योंकि उन्हें डेट फंड्स के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उसी के अनुसार टैक्स लगता है।

रिकॉर्ड 1,444 करोड़ यूपीआई ट्रांजेक्शन, ये पिछले साल से 45 फीसदी ज्यादा, 20.64 लाख करोड़ ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी

जुलाई में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए 1,444 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। इस दौरान टोटल 2,064 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। पिछले साल जुलाई के मुकाबले ट्रांजैक्शन की संख्या में 45त्न की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई 2023 में यूपीआई के जरिए 9,964 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए थे और इसके जरिए 1,533 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई थी। एक साल में यह अमाउंट 35त्न बढ़ा है। जुलाई 2024 में डेली एवरेज ट्रांजैक्शन की बात करें को यह 46 करोड़ 60 लाख रहा और इसके जरिए 66,590 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। वहीं, पिछले महीने की तुलना में ट्रांजैक्शन की संख्या में 3.96 फीस और ट्रांसफर की गई राशि में 2.84 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जून 2024 में यूपीआई के जरिए 1,389 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए और इसके जरिए 20.07 लाख करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई।

यूपीआई को रेगुलेट करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने ट्रांजैक्शन के आंकड़े जारी किए। भारत में आरटीजीएस और एनइएफटी पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ऑपरेट करती है। सरकार ने 1 जनवरी 2020 से यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए एक जीरो-चार्ज फ्रेमवर्क मैंडेटरी किया था। यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या IFSC कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है। अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी (ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर या आधार नंबर) है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं।

सिंधु पेरिस ओलिंपिक से बाहर, प्री-क्वार्टर गंवाया सात्विक-चिराग भी हारे; शूटर स्वप्निल ने तीसरा मेडल दिलाया

पेरिस.एजेंसी

पेरिस ओलिंपिक में मिलाजुला रहा। इस दिन भारत को शूटिंग में एक और ब्रॉन्ज मेडल मिला, जबकि तीन मेडल होप खिलाड़ी हारकर बाहर हो गए। पेरिस में चल रहे गेम्स छठे दिन भारत को तीसरा मेडल मिला। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी में शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्वप्निल ने कुल 451.4 अंक हासिल किए। खास बात यह है कि इस बार के ओलिंपिक में अब तक तीनों मेडल शूटिंग इवेंट्स में ही मिले हैं। मेडल जीतने के बाद स्वप्निल ने कहा, मुझे काफी खुशी हो रही है कि मैंने देश के लिए मेडल जीता। फाइनल के दौरान काफी नर्वस था, धड़कनें तेज हो गई थीं। स्वप्निल महाराष्ट्र के पुणे में जन्मे। 28 साल के स्वप्निल 2012 से इंटरनेशनल शूटिंग इवेंट्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलिंपिक-2024 में डेब्यू किया है। पहले ही ओलिंपिक में स्वप्निल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। स्वप्निल के रोल मॉडल एमएस धोनी हैं। धोनी की तरह स्वप्निल भी सेंट्रल रेलवे में टिकट कलेक्टर हैं। स्वप्निल भी धोनी की तरह ही शूटिंग रेंज में शांत रहते हैं। स्वप्निल की मां कंबलवाडी गांव की सरपंच हैं। पिता और भाई टीचर हैं। पिछले दो ओलिंपिक में मेडल दिलाने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु राउंड ऑफ-16 मैच हार गईं। साथ ही मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग और बॉक्सिंग में निखत जरीन को हार का सामना करना पड़ा। बॉक्सिंग की 50 किलो वेट कैटेगरी में निखत जरीन प्री-क्वार्टर फाइनल हराकर बाहर हो गईं।

आइसीसी रैंकिंग जारी

इंग्लैंड के रूट एक बार फिर बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

रोहित टेस्ट क्रिकेट में एक स्थान के सुधार के साथ छठे स्थान पर पहुंचे

दुबई. एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक 291 रन बनाने वाले इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में फायदा मिला है। वे एक बार फिर नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन को पीछे छोड़ा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी एक स्थान के सुधार के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए है, जबकि यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली क्रमशः 8वें और 10वें नंबर पर हैं।

टी-20 रैंकिंग में सूर्या दूसरे नंबर पर: टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव दूसरे नंबर पर हैं, वहीं यशस्वी दो स्थान के सुधार के साथ चौथे और रुतुराज गायकवाड 8वें नंबर पर हैं। गेंदबाजों में रवि 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

मैत्री मैच में मैनचेस्टर सिटी को हराया

पेनल्टी शूटआउट में 4-1 से जीता बार्सिलोना

औरलेंडो (अमरीका). एजेंसी

बार्सिलोना ने मैत्री फुटबॉल मैच में इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी को पेनल्टी शूटआउट में 4-1 से हरा दिया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला निर्धारित समय तक 2-2 से बराबरी पर था, जिसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट में किया गया। बार्सिलोना की ओर से स्टार खिलाड़ी रॉबर्ट लेवांदोवस्की, नोह डार्विक, एलेजांद्रो व एंटोनिया फर्नांडेज ने पेनल्टी शूटआउट में सटीक गोल दागे। वहीं मैनचेस्टर सिटी की ओर से एकमात्र सटीक शॉट अमर फतेह ने दागा, जबकि जैकब राइट व केल्विन फिलिप्स ने मौके गंवाए।

मनोरंजन — बॉलीवुड का कोना

पीयूष मिश्रा बोले, 'गुलाल' में अनुराग कश्यप की मदद के लिए सभी ने फीस घटाई थी

हाल ही में पीयूष मिश्रा ने अनुराग कश्यप की फिल्म गुलाल में कम पैसों में काम करने की बात शेयर की। एक इंटरव्यू में पीयूष ने बताया कि इस फिल्म के दौरान सभी ने अपनी फीस काफी कम कर दी थी। इसका मकसद अनुराग की मदद करना था। उस समय अनुराग की फिल्में पांच और ब्लैक फ्राइडे रुक गई थीं। पीयूष ने बताया कि उन्होंने गुलाल में एक्टिंग के साथ-साथ लिरिक्स और डायलॉग लिखने का भी काम किया था जिसके उन्हें दो लाख रुपए मिले थे।दैनिक जागरण को दिए इंटरव्यू में पीयूष ने अनुराग कश्यप के बारे में कहा, जिस तरह का आदमी था वो, सबका लाडला था। अब कैसा है मुझे मालूम नहीं, लेकिन उस वक्त तो बहुत ही ईमानदार था। पिछले साल लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में पीयूष ने कहा कि उनके और अनुराग के विचार नहीं मिलते हैं। उन्होंने बताया, हम कुछ सालों बाद मिलते हैं, लेकिन 15 मिनट बाद बात करने के लिए कुछ नहीं बचता। हम कॉफी और सिगरेट पीते हैं और हमारी बातचीत खत्म हो जाती है। हमारे राजनीतिक और नैतिक विचार नहीं मिलते हैं। हालांकि, हमारे इमोशनल विचार एक जैसे हैं। वो मेरे गले में फंसी हड्डी की तरह है। न निगल सकता हूं, न उगल सकता हूं। यही हमारा रिश्ता है। मैं उनके साथ ज्यादा देर नहीं बैठ सकता हूं। हमारे पास बात करने के लिए कुछ नहीं होता है। वो फिल्मों के दीवाने हैं और मैं फिल्में नहीं देखता हूं। मैं उनसे क्या बात करूं? आपसी मतभेदों के बावजूद, पीयूष और अनुराग ने गैंग्स ऑफ वासेपुर सीरीज में साथ काम किया था। पिछले साल अनुराग ने पीयूष की ऑटोबायोग्राफी का लॉन्च भी किया था।

निखिल बोले: शाहरुख खान को 'कल हो ना हो' लगी थी बकवास

शाहरुख खान की फिल्म 'कल हो ना हो' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी। इस फिल्म को काफी पसंद भी किया था। हालांकि, शाहरुख खान को यह फिल्म बकवास लगी थी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म के डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने खुलासा किया। निखिल आडवाणी की फिल्म 'वेदा' रिलीज होने वाली है। इसी फिल्म को लेकर गलाट्टा प्लस को दिए इंटरव्यू के दौरान डायरेक्टर ने शाहरुख खान के साथ काम करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा- शाहरुख खान को उन फिल्मों की बुराई करने की आदत है, जिसमें वो उस वक्त काम कर रहे होते हैं। हालांकि, यह मजाक में ही होता है। शाहरुख खान और निखिल आडवाणी ने ब्लॉकबस्टर फिल्म कल हो ना हो में एक साथ काम किया था। निखिल के डायरेक्शन में बनी यह पहली फिल्म है, जो साल 2003 में रिलीज हुई थी। इससे पहले वो शाहरुख खान की फिल्म 'मोहब्बतें' में एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में काम कर चुके हैं। निखिल आडवाणी ने कहा- शाहरुख खान की आदत है कि जब वो मीटिंग में आते हैं तो अपनी ही फिल्म की बुराई करते हैं। उन्होंने 'कल हो ना हो' को बकवास फिल्म बताई थी। शाहरुख ने इस फिल्म की तुलना देवदास से की थी और कहा था कि 'देवदास' बेहतरीन फिल्म है, जबकि 'कल हो ना हो' तो बकवास है। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान इन दिनों अपकमिंग फिल्म किंग की तैयारी कर रहे हैं।

करिश्मा कपूर ने सलमान को फनी, शाहरुख को मेहनती और आमिर को परफेक्शनिस्ट बताया

करिश्मा कपूर ने एक दौर में बॉलीवुड के तीनों खान शाहरुख, सलमान और आमिर के साथ काम किया है। अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने तीनों एक्टर्स के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। करिश्मा ने दुल्हन हम ले जाएंगे, जुड़वा, बीवी नंबर 1 और हम साथ साथ हैं समेत कई फिल्में में सलमान के साथ काम किया है। एक इंटरव्यू में करिश्मा ने कहा, हम लोग लगभग एक साथ बड़े हुए हैं। मेरे ख्याल से उन तीनों के काम करने का तरीका उन्हें एक दूसरे से अलग बनाता है। सलमान सेट पर सबसे ज्यादा मजाकिया रहते हैं पर जैसे ही शॉट देने का वक्त होता है तो वो बहुत सीरियस हो जाते हैं। शाहरुख खान के साथ करीना दिल तो पागल है और शक्ति जैसी फिल्में कर चुकी हैं। वहीं शाहरुख खान के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि वो बहुत मेहनती और गिविंग एक्टर हैं। वो आपके साथ बैठेंगे और लाइन्स की रिहर्सल तक करेंगे जो कि बहुत अच्छी क्वालिटी है। करिश्मा ने आगे कहा- वहीं आमिर एक परफेक्शनिस्ट हैं। उनके साथ काम करने के वक्त मैंने काफी कुछ सीखा है। इसलिए मुझे एक्टर्स को ऑब्जर्व करना पसंद है और मैंने उन्हें ऑब्जर्व किया और उनकी बेस्ट क्वालिटी ली है।

वेब सीरीज ब्राउन में नजर आएंगी: करिश्मा ने साल 1991 में फिल्म 'प्रेम कैदी' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने अपने करियर में 'हसीना मान जाएगी', 'दिल तो पागल है' और 'जुबैदा' समेत कई हिट फिल्में दीं। अब वे जल्द ही थ्रिलर सीरीज ब्राउन में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके अपोजिट अभय देओल नजर आएंगे।

होटल के कमरे में मिला युवक का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित छावनी रोड पर होटल इंडिका में एक युवक की लाश फांसी के फंदे पर मिलने से सनसनी फैल गई। युवक एक दिन पहले ही सागर से भोपाल आया था और होटल में रुका हुआ?था। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार पंकज भावसार सागर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके भाई प्रदीप भावसार पिता नारायण भावसार (43) सागर में रहते थे और पावर गिड कंपनी में नौकरी करते थे। बुधवार शाम वह घर से भोपाल जाने का कहकर निकले थे। उन्होंने परिजन का बताया था कि कंपनी ने उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए भोपाल भेजा है। उन्होंने परिजन को बताया था कि वह मंगलवारा छावनी रोड स्थित होटल इंडिको में रुके हैं। गुरुवार सुबह परिजन ने उन्हें कॉल किया, लेकिन वह कॉल रीसिव नहीं कर रहे थे। अनहोनी की आशंका होने पर पंकज, सागर से उन्हें देखने भोपाल होटल इंडिका में पहुंचे?थे। इस दौरान पता चला कि प्रदीप ने होटल के कमरे में फांसी लगा ली है।

ज्योति टॉकीज ब्रिज पर युवक ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर स्थित ज्यौति टॉकीज के पास फुटओवर ब्रिज पर गुरुवार सुबह अज्ञात युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया है। पुलिस के अनुसार ज्योति टाकीज के सामने फुट ओवर ब्रिज पर टॉकीज के गार्ड ने एक युवक का शव लटका देख डायल 100 को सूचना दी थी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया। मृतक आसमानी शर्ट और नीला पेंट पहने हुए है। उसने नायलोन की रस्सी से फांसी लगाई है। उसकी तलाशी लेने पर कुछ भी नहीं मिला। पुलिस उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। मृतक की उम्र करीब 40 साल के आसपास बताई जा रही है और वह गरीब तबके का लग रहा है।

पुलिया के नीचे मिली बुजुर्ग की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित पीपलखेड़ा गांव में पुलिस के नीचे नाले में कल गुरुवार शाम एक बुजुर्ग की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि महज चार फीट पानी में बुजुर्ग डूब गया था। दरअसल, वह नशे में था। पुलिस ने लाश पीएम के लिए भेज दी है। पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार विष्णु अहिरवार पिता पदम सिंह अहिरवार गुनगा में रहता है। उसने पुलिस को बताया कि कल गुरुवार शाम वह पीपलखेड़ा पुलिया के पास से गुजरा तो उसके पिता पदम सिंह अहिरवार (58) पुलिया पर बैठकर शराक पीते हुए नजर आए?थे। इसके बाद वह घर चला गया। शाम तक पिता घर नहीं पहुंचे तो विष्णु उन्हें देखने के लिए पुलिया पर पहुंचा था, लेकिन वह पुलिया पर नजर आए। यहां वहां तलाश करने के बाद भी पिता नहीं मिले तो विष्णु ने पुलिया में झांककर देखा था। इस दौरान पदम सिंह अहिरवार पानी में पड़े नजर आए। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी थी।

17.50 लाख रुपए की नगदी, जेवरात सहित 38 लाख का माल बरामद

एसडीओ के घर से लाखों की चोरी करने वाला ग्वालियर में गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। चूनाभट्टी में रहने वाले पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट से रिटायर्ड सब-डिवीजन ऑफिसर (एसडीओ) के घर चोरी करने वाले उनके ड्राइवर को ग्वालियर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से साढ़े 17 लाख रुपए नगदी समेत 38 लाख रुपए जेवरात बरामद किए गए हैं। चूनाभट्टी पुलिस उसे लेकर भोपाल पहुंची हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी साढ़े 5 सौ किलो मीटर तक बाइक चलाकर ग्वालियर पहुंचा था। आरोपी का वहां से शिवपुरी जाने का प्लान था। दरअसल, वह शिवपुरी में रहने वाली अपनी प्रेमिका के साथ दिल्ली जाने का प्लान बना रहा था।

चोरी के बाद मालिक को कॉल कर कहा था कि बीस दिन में लौटा दूंगा रुपए और जेवरात

सीएसपी ग्वालियर राजीव जंगले ने बताया कि बुधवार को थाटीपुरा इलाके में पुलिस चेकिंग चल रही थी। इसी बीच बिना नंबर की रेसिंग बाइक आई। बाइक सवार पुलिस को देखकर भागने लगा। तभी उसे दबोच लिया गया। आरोपी से बाइक के नंबर को लेकर पूछताछ की तो वह पुलिस को गुमराह करने लगा। उसने अपनी पहचान ग्राम इमलिया थाना खनियादाना जिला शिवपुरी निवासी 21 वर्षीय दीपक यादव पिता महेन्द्र यादव के रूप में बताया। इसके बाद पुलिस उसके पास मौजूद पिट्ठू बैग की तलाशी ली। बैग में साढ़े 17 लाख रुपए की नगदी, आईफोन, मोबाइल, बेशकीमती दो घड़ी और सोने-चांदी के जेवरात देख पुलिस हैरान हो गई। संदेह होने पर पुलिस आरोपी को थाने लेकर पहुंची। वहां दीपक ने बताया कि वह भोपाल में चूनाभट्टी इलाके में रहने वाले एक रिटायर्ड अधिकारी की कार ड्राइवर है। वह अभी अमेरिका गए हुए है। 27 जुलाई को उनके घर से चोरी कर भागा है। ग्वालियर पुलिस ने चूनाभट्टी पुलिस को सूचना दी।

सांची में एक रात होटल में गुजारी

दीपक 27 जुलाई को चोरी के बाद शाहपुरा इलाके में अपने घर पहुंचा। चोरी का सारा पिट्ठू बैग में रखकर उसने बाइक उठाई और भोपाल से सांची पहुंचा। रात में सांची में होटल लेकर रुक गया। अगले ही दिन वह झांसी पहुंचा और 28 की शाम वह बाइक से ही झांसी से ग्वालियर पहुंच गया। 31 की सुबह वह थाटीपुरा इलाके में कमरे की तलाश के निकला था, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

चोरी के बाद रिटायर्ड एसडीओ को किया था मैसेज: शाहपुरा बंगला नंबर-165 निवासी कपिल त्यागी पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट में सब डिवीजन ऑफिसर (एसडीओ) से रिटायर्ड हैं। 17 जुलाई को वे पत्नी के साथ बेटी के पास अमेरिका गए हैं। घर में उनकी वृद्ध मां, बेटा चिरायु, बहू थीं। 27 जुलाई की सुबह चिरायु भी पत्नी के साथ इंदौर चले गए। इंदौर जाने से पहले दादी की देखरेख की जिम्मेदारी चिरायु ने ड्राइवर दीपक को दी थी। सुबह 9 बजे दीपक दादी को अरेरा कॉलोनी में फीजियोथेरैपी कराने ले गया और सेंटर में छोड़कर घर लौट आया।

शाम को किया मैसेज: घर के फर्स्ट फ्लोर की चाबी दीपक के पास थी। दीपक ने कपिल के रूम में रखी अलमारी का लॉकर तोड़ा और नगदी जेवर अपने साथ लेकर दादी को लेने पहुंचा। वहां से दादी को उसने घर छोड़ दिया। शाम करीब 5 बजे दीपक ने अमेरिका गए कपिल को पहले वाट्सऐप काल किया। इसके बाद उन्हें मैसेज भेजा।

आधा दर्जन यात्रियों ने दर्ज कराई रिपोर्ट

सफर के दौरान मोबाइल समेत लाखों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में सफर के दौरान आधा दर्जन मोबाइल समेत लाखों रुपए का सामान चोरी चला गई। जीआरपी भोपाल और रानी कमलापति ने यात्रियों की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हालांकि एक भी वारदात का खुलासा नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार बिहार निवासी मो. तौफीक आलम अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रानी कमलापति अगरतला एक्सप्रेस में किशनगंज से रानी कमलापति स्टेशन की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपना लेडीज पर्स सीट के पास टांग दिया था। स्टेशन पर उतरने के दौरान देखा तो पर्स नहीं था। पर्स में 30 हजार रुपए कीमत के 2 मोबाइल, नकदी, चाबियां समेत अन्य सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार राजनांदगांव छत्तीसगढ़ निवासी नवीन पटेल परीक्षा देने के लिए भोपाल आया था। रेलवे स्टेशन के मुसाफिर खाने में ट्रेन का इंतजार करते समय किसी ने बैग चोरी कर लिया। बैग में 27 हजार रुपए कीमत का मोबाइल, कपड़े समेत अन्य सामान रखा हुआ था। जेब से पर्स और सीट पर रखा बैग चोरी दमोह निवासी महेश उइके दक्षिण एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से मुलताई की यात्रा कर रहा था। ट्रेन के भोपाल स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही मिनट बाद देखा तो उसकी जेब में रखा पर्स गायब था। पर्स में 10000 रुपए नकद, आधार कार्ड, पेन कार्ड, श्रम कार्ड, संबल कार्ड समेत अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। इसी प्रकार ओवर नाइट एक्सप्रेस में इंदौर से जबलपुर की यात्रा कर रहे जितेंद्र का भोपाल रेलवे स्टेशन पर सीट पर रखा बैग चोरी चला गया। ट्रेन जब भोपाल स्टेशन पर रुकी तो वह पानी लेने के लिए नीचे उतरे। वापस लौटे तो बैग गायब था। बैग के अंदर रजिस्टर, मार्कसीट, बैंक की पास बुक, कपड़े, चार्जर समेत करीब सात हजार का सामान रखा हुआ था। दो यात्रियों के पर्स और मोबाइल उड़ाए छिंदवाड़ा निवासी राजा प्रजापति इंदौर भोपाल एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल की यात्रा कर रहा था। स्टेशन पहुंचने पर नींद खुली तो जेब में रखा पर्स और मोबाइल गायब था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई गई है, जबकि पर्स में पेन कार्ड, आधार कार्ड, एटीएम, वोटर आईडी, श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड और नगदी 1500 रुपए रखे हुए थे।

स्कूली छात्रा और महिला के साथ की अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में रहने वाली बारहवीं कक्षा की छात्रा और मिसरोद इलाके में रहने वाली महिला कर्मचारी के साथ अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। शाहजहांनाबाद में रहने वाली 18 वर्षीय युवती बारहवीं में पढ़ती है। मंगलवार शाम 5 बजे वह बच्चों के साथ खेल रही थी, तभी उसकी बाल पास ही रहने वाले भवानी नामक युवक के घर चली गई। छात्र बाल उठाने के लिए पहुंची तो भवानी ने उसको अश्लील इशारा किया। छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसे थप्पड़ मार दिया। घर पहुंचकर पीड़िता ने परिजन को घटना की जानकारी दी। अगले दिन परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे, वहां पीड़िता ने भवानी के खिलाफ शिकायत करवाई। इधर, मिसरोद पुलिस ने 48 वर्षीय एक महिला की रिपोर्ट पर मनीष नामक युवक के खिलाफ पीछा कर छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि इलाके में रहने वाली महिला शासकीय कर्मचारी है। वह मूलतः पास के जिले की रहने वाली हैं। ससुराल में मनीष नामक युवक का आना-जाना था, जिससे उनकी पहचान थी। मनीष उनके परिवार वालों के काम भी किया करता था। पिछले कुछ दिनों से वह उन्हें जबरन फोन लगा रहा था।

अपराध रोकने बैंक प्रबंधकों के साथ कमिश्नर ने ली बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने गुरुवार को बैंक प्रबंधकों की बैठक लेते हुए सायबर अपराधों की रोकथाम पर चर्चा की। पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त अखिल पटेल, एलडीएम आलोक चक्रवर्ती, एजीएम आरबीआई पंकज शेडांगुल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान समेत शहर के सभी सरकारी एवं प्रायवेट बैंकों के प्रबंधक मौजूद रहे। बैठक को संबोधिक करते हुए पुलिस आयुक्त मिश्र ने कहा कि सायबर अपराध रोकना पुलिस के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया। इसकी रोकथाम के लिए बैंकों को अपनी प्रणाली को सुरक्षित बनाने एवं ग्राहकों को जागरुकता करने की अत्यंत आवश्यकता है। इस दौरान एलडीएम आलोक चक्रवर्ती, एजीएम आरबीआई पंकज शेडांगुल ने साइबर अपराधों को रोकने हेतु बैंकों द्वारा किए जा रहे उपायों के सम्बंध में बताया।

सायबर ठगी के प्रमुख तरीके फिशिंग: जालसाज नकली ईमेल या मैसेज भेजते हैं, जो वास्तविक कंपनियों या संगठनों जैसे दिखते हैं, लेकिन वास्तव में वह व्यक्तिगत जानकारी चोरी करने के लिए होते हैं। इसमें नकली वेबसाइट्स पर ले जाकर व्यक्तिगत जानकारी चोरी की जाती है। मैलवेयर आपके डिवाइस में मैलवेयर स्थापित की जाती है, जो व्यक्तिगत जानकारी चोरी कर सकता है या डिवाइस को नुकसान पहुंचा सकता है। सोशल इंजीनियरिंग- जालसाज आपको मनाने की कोशिश करते हैं, ताकि आप व्यक्तिगत जानकारी साझा करें।

क्लोनिंग: जालसाज आपके बैंक खाते या क्रेडिट कार्ड की जानकारी चोरी करके पैसे निकाल लेते हैं।

सायबर ठगी के नए तरीके: साइबर अपराधी लोगों को डरा धमका कर ठगी करते हैं। वे पुलिस स्टेशन जैसे सेटअप से विडियो कॉल कर विक्टिम को बुरी तरह डराते हैं। आधार कार्ड, पैन कार्ड की डिटेल बताकर यकीन दिलाते हैं कि आपका संदिग्ध एक्टिविटी में नाम आ चुका है। नौकरी का झांसा देकर युवाओं का कंबोडिया का वीजा बनवाया जा रहा है, जहां से उन्हें अवैध तरीके से म्यांमार ले जाया जा रहा है। वहां उन्हें बंधक बनाकर साइबर ठगी की जा रही है। साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर लोगों से पैसे ऐंठते हैं। वे विक्टिम को कहते हैं कि आपका संदिग्ध एक्टिविटी में नाम आ चुका है और आपको डिजिटल अरेस्ट किया जा सकता है। साइबर अपराधी फर्जी पुलिस बनकर लोगों से पैसे ऐंठते हैं। वे विक्टिम को कहते हैं कि आपको पुलिस स्टेशन आना होगा और अगर आप नहीं आए तो आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जालसाजों से इस प्रकार बचें व्यक्ति जानकारी किसी से साझा नहीं करें। मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें। वेबसाइट्स और ईमेल का इस्तेमाल करने से पहले उनकी वास्तविकता की जांच कर लें।

मेट्रो एंकर अनुमान है कि नुकीले हथियार से युवक पर हमला किया

टीटी नगर स्थित अर्जुन नगर मल्टी में सोलह साल के किशोर की हत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित अर्जुन नगर में कल गुरुवार रात एक किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसके सीने में किसी नुकेले हथियार का निशान मिला है। अनुमान है कि सूजे जैसे किसी नुकेले हथियार से उस पर हमला कर हत्या की गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार बृजकांत पांडे पिता बृजलोचन पांडे (16) रातीबड़ इलाके में रहता था। पूर्व में वह अर्जुन नगर में रहता था। नवीं कक्षा में पढ़ने वाला बृजकांत पांडे कल गुरुवार शाम अपने परिजन को दोस्तों से मिलने का कहकर निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। रात करीब सवा 9 बजे के आसपास किसी परिचित ने उसे अर्जुन नगर मल्टी के पास बेसुध पड़ा देखकर परिजन को घटना की जानकारी दी थी। परिजन अर्जुन नगर से उसे लेकर जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

सीने के पास मिली गहरी चोट

अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस ने शव देखा तो पता चला कि सीने के पास किसी नुकेले हथियार से गहरा घांव है। घांव हार्ट के पास होने के कारण अनुमान लगाया जा रहा है कि बृजकांत का हार्ट पंचर हो गया था। जिससे उसकी मौत हुई है।

नशे का था शौकीन: पुलिस की पूछताछ में पता चला कि बृजकांत का परिवार पूर्व में अर्जुन नगर मल्टी में रहता था, लेकिन रातीबड़ में बनाने के कारण परिवार रातीबड़ में रहने लगा। अर्जुन नगर में बृजकांत की दोस्त रहते हैं और वह यहां दोस्तों के पास सूखे नशे करने आताथा। पुलिस बृजकांत के कुछ दोस्तों से पूछताछ कर रही है। पुलिस पता लगा रही है कि आखिरी बार वह किसके साथ देखा गया था।

जहरीला पदार्थ पीने से युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर में रहने वाले एक युवक ने जहरीला पदार्थ पी लिया। परिजन ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार परवेज खान (45) मूलतः गुना के रहने वाले थे। वह पत्नी और बच्चों के साथ गौतम नगर स्थित रंभा नगर में किराए से रहते थे और आटो डीलिंग का काम करते थे। बुधवार को परिजन उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले गए, जहां बताया कि उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ पी लिया है। अस्पताल में कुछ देर चले इलाज के बाद परवेज की मौत हो गई। परिजन पीएम के बाद परवेज का शव लेकर गुना चले गए।

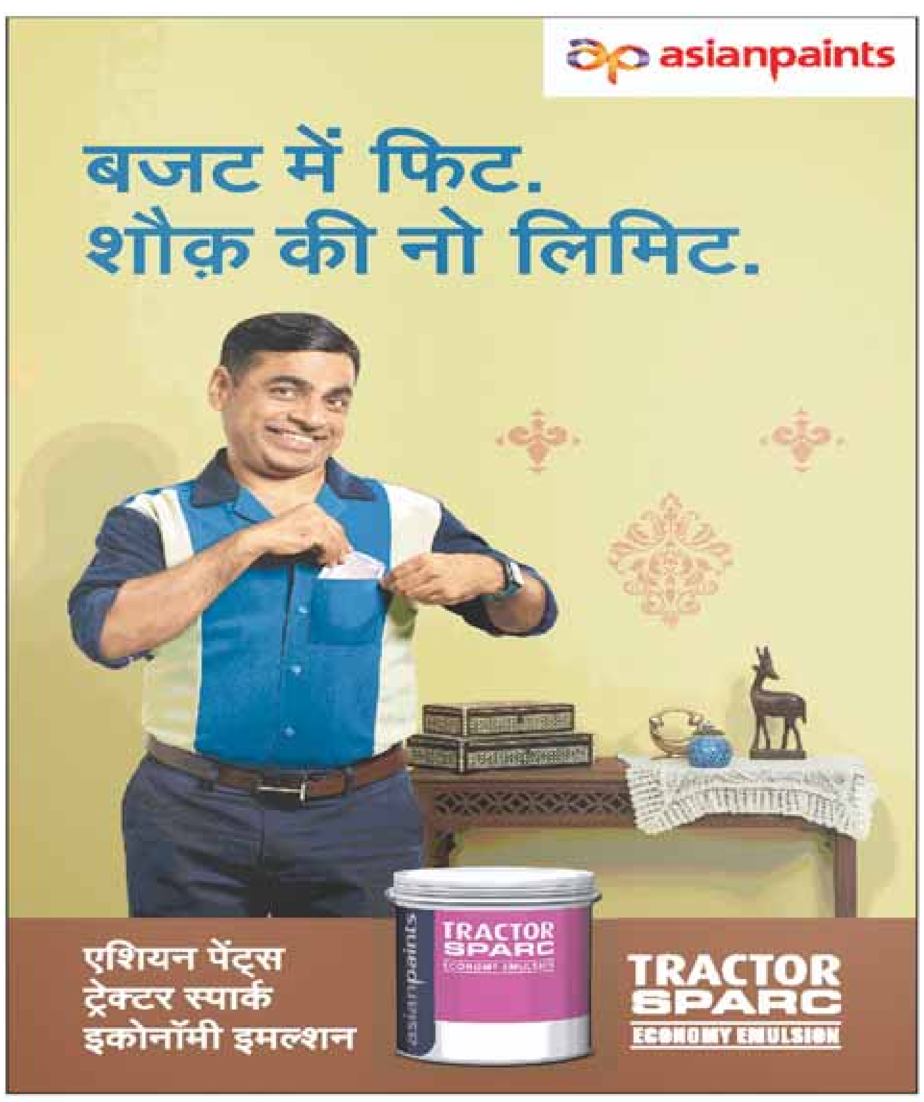

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022